गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम, 1971 व यौन हिंसा/बलात्कार के मामलों में गर्भवती लड़कियों/महिलाओं के गर्भ समापन हेतु मानक संचालन प्रक्रियायें (Standard Operating Procedures)।

-: अनुक्रमणिका :-

क्रम संख्या	विषय	पृष्ठ संख्या
01	मानक संचालन प्रक्रियाओं की आवश्यकता।	01
02	गर्भावस्था की समयावधि के आधार पर गर्भ के समापन हेतु उपयोग की जा सकने वाली पद्धति एवं पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हेतु अनुभव एवं प्रशिक्षण।	02--05
03	24 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन हेतु पात्र स्त्रियाँ।	06
04	24 सप्ताह से अधिक समयावधि की गर्भावस्था के समापन हेतु पात्र स्त्रियाँ।	07—08
05	गर्भ के समापन हेतु स्थान एवं जिला स्तरीय समिति।	09
06	गर्भ समापन हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी अपराध के दोषी नही होगें एवं स्त्री की निजता का संरक्षण।	10
07	विविध प्रपत्र।	11—17
08	दण्ड के प्राविधान।	18
09	यौन हिंसा या बलात्कार या कौटुम्बिक व्यभिचार के कारण गर्भसमापन के मामलों हेतु दिशा--निर्देश।	19—20
10	मा0 उच्चतम् न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा सिविल अपील संख्या 5194/2024 A (Mother of X) Vs. State of Maharashtra & Anr. में पारित किये गये निर्णय दिनांक 29 अप्रैल 2024 के मुख्य बिन्दु।	21
11	सन्दर्भ।	22

29.08.25

मानक संचालन प्रक्रियाओं की आवश्यकता

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत गर्भपात का अधिकार सम्मान, स्वायत्ता और प्रजनन सम्बन्धी विकल्प का सहवर्ती अधिकार है। गर्भावस्था को समाप्त करने का निर्णय किसी भी व्यक्ति के लिए अत्यन्त निजी होता है। अतः यह आवश्यक है कि गर्भवती महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य की रक्षा के अलावा किसी अन्य कारण से उसके मौलिक अधिकार से समझौता न किया जाये।

सुरक्षित गर्भसमापन सेवायें प्रदान किये जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम, 1971 (एम0टी0पी0 एक्ट, 1971) प्रख्यापित किया गया है, जोकि उत्तर प्रदेश में भी लागू है। गर्भसमापन की सेवायें गर्भ का अधिनियम, 1971 के साथ–साथ गर्भ का चिकित्सकीय समापन नियम, 2003 (एम0टी0पी0 रूल्स 2003) व गर्भ का चिकित्सकीय समापन विनियम, 2003 (एम0टी0पी0 रेगूलेशन 2003) में निहित प्राविधानों का अनुपालन सुनिश्चित करते हुए प्रदान की जानी हैं।

कतिपय मामलों में ऐसा भी घटित हुआ है कि यौन हिंसा/बलात्कार के मामलों में भी पीड़िता को अनचाहे बच्चे को मजबूरीवश जन्म देना पड़ा। चिकित्सकों के मध्य समुचित जानकारी न होने के कारण जहाँ एक ओर पीड़िता को अनावश्यक कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है वहीं दूसरी ओर उसके गर्भ की समयावधि बढ़ जाने के कारण उसे चिकित्सकीय जटिलताओं का भी सामना करना पड़ता है। मा0 उच्च न्यायालय, इलाहाबाद द्वारा रिट याचिका (सी) संख्या 31851/2024 'X' Vs. State of Uttar Pradesh And 3 Others में पारित निर्णय दिनांक 26 सितम्बर 2024 के अनुपालन में गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम, 1971 व यौन हिंसा/बलात्कार के मामलों में यह गर्भवती लड़कियों/महिलाओं के गर्भसमापन हेतु मानक संचालन प्रक्रियायें विकसित की जा रही हैं।

29.08.25

गर्भावस्था की समयावधि के आधार पर गर्भ के समापन हेतु उपयोग की जा सकने वाली पद्धति (Method) एवं पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हेतु अनुभव एवं प्रशिक्षण

गर्भ के समापन हेतु पद्धतियाँ (Methods)

एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 2 के खण्ड (ड.) में निहित प्राविधानों के अनुसार गर्भ का समापन निम्नलिखित 02 पद्धतियों के माध्यम किया जा सकता है:–

(1) चिकित्सीय पद्धति (Medical Method)
(2) शल्य चिकित्सा पद्धति (Surgical Method)

पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी हेतु अनुभव एवं प्रशिक्षण

गर्भावस्था की समयावधि के आधार पर पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी का अनुभव एवं प्रशिक्षण, एम0टी0पी0 रूल्स 2003 के नियम 4 के अनुसार होना चाहिए। नियम 4 में निम्नवत् प्राविधान वर्णित किये गये हैं:–

नियम 4–धारा 2 के खण्ड (घ) के प्रयोजन के लिए, रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी के पास स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान में निम्नलिखित में से एक या अधिक का अनुभव या प्रशिक्षण होगा, अर्थात:–

(क) ऐसे चिकित्सा व्यवसायी की दशा में, जो इस अधिनियम के प्रारम्भ होने से ठीक पूर्व राज्य चिकित्सा रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत हुआ था, स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान के व्यवसाय में तीन वर्ष से अन्यून का अनुभव।

(ख) ऐसे चिकित्सा व्यवसायी की दशा में जो राज्य चिकित्सा रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत हुआ है:–

(i) यदि उसने स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान में छः मास की हाउस सर्जेंसी पूर्ण कर ली है, अथवा

(ii) जब तक उसमें निम्नलिखित सुविधाओं की व्यवस्था नही हैं, यदि उसके पास किसी अस्पताल में स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान के व्यवसाय का एक वर्ष से अन्यून का अनुभव हो, अथवा

29.08.25

(ग) यदि उसने सरकार द्वारा स्थापित अथवा संचालित अस्पताल में अथवा इसी प्रयोजन के लिए अनुमोदित प्रशिक्षण संस्थान में, गर्भ के चिकित्सकीय समापन के 25 मामलों में, किसी पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी की सहायता की हो, जिनमें से उसने कम से कम पाँच मामलों को स्वतंत्र रूप से किया हो।

(i) यह प्रशिक्षण पहली तिमाही के (गर्भावधि के 12 सप्ताह तक) गर्भ का समापन करने के लिए रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी (आर एम पी) को समर्थ बनाएगा।

(ii) चौबीस सप्ताह तक के गर्भ का समापन करने के लिए उप–नियम (क), उप–नियम (ख) और उप–नियम (घ) के अधीन यथाविहित अनुभव और प्रशिक्षण लागू होगा।

(गक) रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी के पास गर्भ समापन चिकित्सा पद्धतियों द्वारा नौ सप्ताह तक की गर्भावधि के गर्भ समापन को करने के लिए निम्नलिखित अनुभव और प्रशिक्षण होगा, अर्थात :–

(i) प्रसूति विज्ञान और स्त्री रोग विज्ञान व्यवसाय का तीन मास से अन्यून अवधि का किसी चिकित्सालय का अनुभव, या

(ii) उसने सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित अस्पताल में अथवा इसी प्रयोजन के लिए अनुमोदित प्रशिक्षण संस्थान में गर्भ के चिकित्सकीय समापन के दस मामलों को गर्भ समापन की चिकित्सा पद्धतियों द्वारा किसी रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी के पर्यवेक्षण के अधीन स्वतंत्र रूप से किया हो

(घ) ऐसे रजिस्ट्रीकृत चिकित्सा व्यवसायी की दशा में, जो किसी राज्य चिकित्सा रजिस्टर में रजिस्ट्रीकृत हो चुका हो और स्त्री रोग विज्ञान और प्रसूति विज्ञान में स्नात्कोत्तर डिग्री अथवा डिप्लोमा धारी हो, ऐसी डिग्री अथवा डिप्लोमा के दौरान प्राप्त अनुभव अथवा प्रशिक्षण।

गर्भावस्था की समयावधि, उपयोग की जा सकने वाली पद्धति, पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या व उनकी अर्हता का संक्षिप्त विवरण

गर्भावस्था की समयावधि	राय हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या	पद्धति	अर्हता
01	02	03	04
09 सप्ताह से कम या 09 सप्ताह तक	01 चिकित्सक धारा 3(2)(क) व 3(2क)	चिकित्सा पद्धति (Medical Method) नियम 4क(1)(क)	धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(क) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ख) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ग) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(गक) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(घ)
12 सप्ताह तक	01 चिकित्सक धारा 3(2)(क) व 3(2क)	शल्य चिकित्सा पद्धति (Surgical Method) नियम 4क(1)(ख)	धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(क) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ख) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ग) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(घ)
12 सप्ताह से अधिक एवं 20 सप्ताह तक	01 चिकित्सक धारा 3(2)(क) व 3(2क)	शल्य चिकित्सा पद्धति (Surgical Method) नियम 4क(1)(ग)	धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(क) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ख) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(घ)
20 सप्ताह से अधिक एवं 24 सप्ताह तक	02 चिकित्सक (राय/गर्भ का चिकित्सकीय समापन 02 पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों द्वारा किया जाना है एवं	शल्य चिकित्सा पद्धति (Surgical Method) नियम 4क(2)	धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(क) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ख) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित

29.8.25

गर्भावस्था की समयावधि	राय हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों की संख्या	पद्धति	अर्हता
01	02	03	04
	गर्भ समापन के उपरान्त नियत प्रपत्र–ड. पर दोनों चिकित्सकों द्वारा नियत स्थान पर विधिवत् हस्ताक्षर भी किये जाने है।) धारा 3(2)(ख) व 3(2क)		नियम 4(घ)
24 सप्ताह से अधिक	राय "राज्य मेडिकल बोर्ड द्वारा नियत प्रपत्र–घ पर प्रदान की जानी है एवं 02 अर्ह पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायियों द्वारा "राज्य मेडिकल बोर्ड" के विनिश्चय के आधार पर गर्भ का समापन किया जायेगा। धारा 3(2ख)	शल्य चिकित्सा पद्धति (Surgical Method) नियम 4क(3)	धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(क) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(ख) अथवा धारा 2(घ) के साथ पठित नियम 4(घ)

नोटः–यहाँ यह स्पष्ट किया जाता है कि मात्र 24 सप्ताह से ऊपर की गर्भावस्था के समापन हेतु "राज्य मेडिकल बोर्ड" की राय अनिवार्य है। 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था हेतु गर्भ समापन की कार्यवाही उपरोक्त तालिका के कॉलम संख्या 02 में वर्णित पंजीकृत चिकित्सकों की संख्या के राय के अनुसार की जा सकती है।

29.08.25

24 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन हेतु पात्र स्त्रियाँ

एम0टी0पी0 अधिनियम, 1971 की धारा 3 की उपधारा (2) के साथ पठित एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 3(ख) में निहित प्राविधानों के अनुसार 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन के लिए पात्र स्त्रियाँ निम्नवत् हैं:—

1. यौन हमले या बलात्संग या कौटुम्बिक व्यभिचार के उत्तरजीवी (Survivors of sexual assault or rape or incest)

2. अल्पव्यय (Minors)

3. गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक प्रास्थिति में परिवर्तन (वैधव्य या विवाह–विच्छेद) (Change of marital status during the ongoing pregnancy) (widowhood and divorce)

4. शारीरिक अक्षमताओं वाली स्त्रियाँ (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (2016 का 49) के अधीन अभिकथित मानदण्डों के अनुसार प्रमुख निःशक्तता (women with physical disabilities (major disability as per criteria laid down under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016)

5. मानसिक रूप से रुग्ण स्त्री जिसके अन्तर्गत बौद्धिक दिव्यांगता वाली स्त्रियाँ भी है (Mentally ill women including women with intellectual disability)

6. भ्रूणीय विकृति का इसके जीवन के साथ असंगत होने का सारवान जोखिम है या यदि शिशु उत्पन्न होता है तो वह ऐसी शारीरिक या मानसिक असामान्यताओं से पीड़ित हो सकता है जिससे वह गम्भीर रूप से अक्षम हो (the foetal malformation that has substancial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped)

7. मानवीय स्थितियों या आपदा या आकस्मिकता की परिस्थितियों में गर्भावस्था वाली स्त्री, जैसा कि सरकार द्वारा घोषित किया जाये (Women with pregnancy in humanitarian settings or disaster or emergency situations as may be declared by Government)

29.08.24

24 सप्ताह से अधिक समयावधि की गर्भावस्था के समापन हेतु पात्र स्त्रियाँ

- 24 सप्ताह से अधिक की समयावधि के गर्भसमापन हेतु एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 3 की उपधारा (2ग) व उपधारा 2(घ) के प्राविधानों के अनुसार गठित "राज्य मेडिकल बोर्ड" की राय अनिवार्य है।

- एम0टी0पी0 अधिनियम, 1971 की धारा 3 की उपधारा (2ख) के साथ पठित एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 3(क) में निहित प्राविधानों के अनुसार 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के समापन के लिए पात्र स्त्रियाँ निम्नवत् हैं:—

  गर्भावस्था के जारी रहने से गर्भवती स्त्री के जीवन को जोखिम या उसके शारीरिक या मानसिक स्वास्थ्य को गम्भीर क्षति अंतर्वलित होगी (The Continuance of the pregnancy would involve a risk to the life of the pregnant woman or of grave injury to her physical or mental health)

  अथवा

  इस बात का सारवान जोखिम है कि यदि बालक जन्म लेता तो वह किसी गम्भीर शारीरिक या मानसिक अप्रसामान्यता से ग्रसित होगा (There is a substantial risk that if the child were born, it would suffer from any serious physical or mental abnormality)

- शासन (चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–1) के कार्यालय ज्ञाप दिनांक 10 अगस्त 2022 के माध्यम से "विभागाध्यक्ष, स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग, के0जी0एम0यू0, लखनऊ" की अध्यक्षता में निम्नवत् "राज्य मेडिकल बोर्ड" गठित किया गया है:—

  1. विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी, के0जी0एम0यू0, लखनऊ। — अध्यक्ष
  2. विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग, के0जी0एम0यू0, लखनऊ। — सदस्य
  3. विभागाध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग, के0जी0एम0यू0, लखनऊ। — सदस्य
  4. विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी विभाग, एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ। — सदस्य
  5. विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ। — सदस्य

25.08.25

6. विभागाध्यक्ष, साईक्रियाट्री,
के0जी0एम0यू0, लखनऊ
द्वारा नामित साईक्रियाट्री —सदस्य काउंसलर
7. चिकित्सा अधीक्षक,
के0जी0एम0यू0, लखनऊ।
(प्रतिनिधि हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन) —सदस्य सचिव
8. विभागाध्यक्ष, जेनेटिक्स,
एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ। — सदस्य

* राज्य मेडिकल बोर्ड के कृत्य इस प्रकार हैं:—

- स्त्री और उसकी रिपोर्टों का परीक्षण करना, जो धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए पहुँचे।
- धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए आवेदन प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर गर्भ के समापन या समापन के आवेदन को अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में प्रारूप "घ" में चिकित्सा बोर्ड की राय प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि समापन प्रक्रिया की जब चिकित्सा बोर्ड द्वारा सलाह दी जाये, तो वह धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए आवेदन की तारीख से पाँच दिनों के भीतर समुचित परामर्श के साथ सभी सुरक्षा पूर्वाविधानियों के साथ की जायें।

नोट:—

1. 24 सप्ताह से अधिक की समयावधि की गर्भावस्था सम्बन्धित समस्त मामलों को जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से राज्य मेडिकल बोर्ड की राय हेतु तत्काल सन्दर्भित किया जाना है।
2. राज्य मेडिकल बोर्ड द्वारा अपनी राय को मात्र एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 3 की उपधारा (2ख) के प्राविधानों तक ही सीमित नही किया जाना है अपितु बोर्ड द्वारा अपनी राय प्रदान करते समय गर्भवती व्यक्ति के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य का भी मूल्यांकन किया जाना है।
3. बलात्कार/यौन हिंसा के मामलों में पीड़िता की गर्भावस्था की समयावधि 24 सप्ताह से अधिक होने की दशा में भी उसके गर्भ का समापन "राज्य मेडिकल बोर्ड" की राय के उपरान्त किया जा सकता है क्योंकि इस गर्भावस्था के जारी रहने से उसके मानसिक स्वास्थ्य को गम्भीर क्षति पहुँचती है।
4. उक्त आशय के आदेश मा0 उच्चतम् न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा सिविल अपील संख्या 5194/2024 A (Mother of X) Vs. State of Maharashtra & Anr. में भी निर्णय दिनांक 29 अप्रैल 2024 के माध्यम से पारित किये गये हैं।

29.08.24

गर्भ के समापन हेतु स्थान एवं जिला स्तरीय समिति

अनुमोदित स्थान

एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 4(क) व 4(ख) में निहित प्राविधानों के अनुसार निम्नलिखित स्थानों पर गर्भ का समापन किया जा सकता है:–

(1) सरकार द्वारा स्थापित या पोषित अस्पताल।

अथवा

(2) जिला स्तरीय समिति द्वारा अनुमोदित स्थान।

जिला स्तरीय समिति

एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 4(ख) के साथ पठित एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 3 में निहित प्राविधानों के अनुसार जिला स्तरीय समिति की संरचना व कार्यवधि निम्नवत् है:–

संरचना:–

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी– पदेन अध्यक्ष
- स्त्री रोग विशेषज्ञ/सर्जन/एनेस्थेटिस्ट– सदस्य
- स्थानीय चिकित्सा व्यवसायी– सदस्य
- गैर सरकारी संगठनों का प्रतिनिधि– सदस्य
- पंचायती राज संस्था का प्रतिनिधि– सदस्य

कार्यवधि–02 कलैण्डर वर्ष

29.08.25

गर्भ समापन हेतु पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी अपराध के दोषी नही होगें:—

एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 3 की उपधारा (1) एवं धारा 5 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी किसी अपराध के दोषी नही होगें जब—

(क) पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 के उपबन्धों के अनुसार गर्भ समापन किया जाये। धारा 3(1)

अथवा

(ख) पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा सद्भावपूर्वक यह राय कायम की होकि उस गर्भ का समापन गर्भवती स्त्री के जीवन को बचाने के लिए तुरन्त आवश्यक है। धारा 5

नोटः— मा0 उच्चतम् न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा सिविल अपील संख्या 5194/2024 A (Mother of X) Vs. State of Maharashtra &Anr.में इस सम्बन्ध में निर्णय दिनांक 29 अप्रैल 2024 के माध्यम से निम्नलिखित आदेश पारित किये गये हैं:—

"The MTP Act protects the RMP and the medical boards when they form an opinion in good faith as to the termination of pregnancy."

स्त्री की निजता का संरक्षण

पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा जिस स्त्री का इस अधिनियम के अन्तर्गत गर्भ समापन किया गया, के नाम व अन्य विवरण को गुप्त रखा जायेगा। (धारा 5क)

29.08.24

विभिन्न प्रपत्र

गर्भ समापन हेतु गर्भवती महिला अथवा उसके संरक्षक द्वारा दी जाने वाली सहमति

एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 3 की उपधारा (4) के साथ पठित एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 9 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गर्भ समापन हेतु गर्भवती महिला द्वारा अथवा उसके संरक्षक द्वारा सहमति प्रारूप–ग पर दी जानी है।

24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के समापन हेतु राज्य मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 3क(ख)(ii) में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के समापन हेतु राज्य मेडिकल बोर्ड द्वारा रिपोर्ट प्रारूप–घ पर दी जानी है।

20 सप्ताह से अधिक 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन के लिए पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी की राय हेतु प्रारूप

एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 4क के उपनियम (2) में निहित प्रोविधानों के अन्तर्गत 20 सप्ताह से अधिक 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन के लिए पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा राय प्रारूप–ङ, पर दी जानी है।

20 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन के लिए पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी की राय हेतु प्रारूप

एम0टी0पी0 विनियम, 2003 के विनियम 3 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत 20 सप्ताह तक की गर्भावस्था के समापन के लिए पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा राय प्रारूप–I पर दी जानी है।

इकाईयों द्वारा प्रेषित की जाने वाली मासिक रिपोर्ट

एम0टी0पी0 विनयम, 2003 के विनियम 4(5) में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई द्वारा मासिक रिपोर्ट प्रारूप–II पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी को उपलब्ध करायी जानी है।

इकाईयों पर रख–रखाव हेतु एडमिशन रजिस्टर

एम0टी0पी0 विनयम, 2003 के विनियम 5 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत प्रत्येक इकाई पर एडमिशन रजिस्टर का रख–रखाव प्रारूप–III पर किया जाना है।

52 –

Form C

(See rule 9)

I..daughter/wife of..

aged about..............................years of ....

(here state the permanent address) at present residing at...

do hereby give my consent to the termination of my pregnancy at ....

....(state the name of place where the pregnancy is to be terminated)

Place:

Date:

Signature

(To be filled in by guardian where the woman is a mentally ill person or minor)

I...son/ daughter/ wife of ....

aged about.......................................years of..

(permanent address)

at present residing at .... do hereby give my consent to the termination of the pregnancy of my ward ....

.... who is a minor/ mentally ill person at ....

....(place of termination of pregnancy)

Place:

Date:

Signature

24.08.25

FORM D

(See sub-clause (ii) of clause (b) of rule 3A)

Report of the Medical Board for Pregnancy Termination Beyond 24 weeks

Details of the woman seeking termination of pregnancy:

1. Name of the woman:
2. Age:
3. Registration/Case Number:
4. Available reports and investigations:

S.No	Report	Opinion on the findings

5. Additional Investigations (if done):

S.No	Investigations done	Key findings

6. Opinion by Medical Board for termination of pregnancy:
   a) Allowed
   b) Denied

Justification for the decision:

7. Physical fitness of the woman for the termination of pregnancy:
   a. Yes
   b. No

Members of the Medical Board who reviewed the case:

S.No	Name	Signature

Date and Time: ....

29.08.21

प्रपत्र–ङ. 59-

FORM E

Opinion Form of Registered Medical Practitioners

(For gestation age beyond twenty weeks till twenty-four weeks)

[See sub-rule (2) of rule 4A]

I ....

(Name and qualifications of the Registered Medical Practitioner in block letters)

....

(Full address of the Registered Medical Practitioner)

I ....

(Name and qualifications of the Registered Medical Practitioner in block letters)

....

(Full address of the Registered Medical Practitioner)

hereby certify that we are of opinion, formed in good faith, that it is necessary to terminate the pregnancy of ....

(Full name of pregnant woman in block letters)

resident of ....

(Full address of pregnant woman in block letters)

which is beyond twenty weeks but till twenty-four weeks under special circumstances as given below*.

*Specify the circumstance(s) from (a) to (g) appropriate for termination of pregnancy beyond twenty weeks till twenty-four weeks:

(a) Survivors of sexual assault or rape or incest
(b) Minors
(c) Change of marital status during the ongoing pregnancy (widowhood and divorce)
(d) Women with physical disabilities [major disability as per criteria laid down under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016)]
(e) Mentally ill women including mental retardation
(f) The foetal malformation that has substantial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped
(g) Women with pregnancy in humanitarian settings or disaster or emergency situations as declared by Government

We hear by give intimation that we terminated the pregnancy of the woman referred to above who bears the Serial No. .... in the Admission Register of the hospital / approved place.

Signature of the Registered Medical Practitioner

Place:

Date:

Signature of the Registered Medical Practitioner

Note: Account may be taken of the pregnant woman's actual or reasonably foreseeable environment in determining whether the continuance of her pregnancy would involve a grave injury to her physical or mental health.

29.08.25

FORM I

RMP Opinion Form

(For gestation age upto twenty weeks)

[See Regulation 3]

I _____

(Name and qualifications of the Registered Medical Practitioner in block letters)

_____

(Full address of the Registered Medical Practitioner)

hereby certify that I am of opinion, formed in good faith, that it is necessary to terminate the pregnancy of _____

(Full name of pregnant woman in block letters)

resident of _____

(Full address of pregnant woman in block letters)

for the reasons given below*.

I hereby give intimation that I terminated the pregnancy of the woman referred to above who bears the Serial No. _____ in the Admission Register of the hospital/approved place.

Place:

Date:

Signature of the Registered Medical Practitioner

*of the reasons specified items (a) to (e) write the one which is appropriate:

a. in order to save the life of the pregnant women,
b. in order to prevent grave injury to the physical and mental health of the pregnant woman,
c. in view of the substantial risk that if the child was born it would suffer from such physical or mental abnormalities as to be seriously handicapped,
d. as the pregnancy is alleged by pregnant woman to have been caused by rape,
e. as the pregnancy has occurred as a result of failure of any contraceptive device or methods used by a woman or her partner for the purpose of limiting the number of children or preventing pregnancy.

Note: Account may be taken of the pregnant woman's actual or reasonably foreseeable environment in determining whether the continuance of her pregnancy would involve a grave injury to her physical or mental health.

Place:

Date:

Signature of the Registered Medical Practitioner

FORM II

[Refer Regulation 4(5)]

Month & Year: ....

1. Name of the State:

2. Name of Hospital/approved place:

3. Duration of pregnancy: *(Give total number only under each sub-head)*
(a) Upto 9 weeks (Medical Methods of Abortion Only):
(b) Upto 12 weeks (Surgical Methods of Abortion Only):
(c) Between 12-20 weeks:
(d) Between 20 -24 weeks:
(e) Beyond 24 weeks:

4. Religion of woman: *(Give total number under each sub-head)*
(a) Hindu:
(b) Muslim:
(c) Christian:
(d) Others:

5. Termination with acceptance of contraception: *(Give total number under each sub-head)*
(a) Sterilization:
(b) IUCD:
(c) OCP/Injectable Contraceptive:
(d) Others:

6. Reasons for termination: *(Give total number under each sub-head)*
A. Up to 20 weeks of gestation
(a) Danger to the life of the pregnant woman:
(b) Grave injury to the physical and mental health of the pregnant woman:
(c) Pregnancy caused by rape:
(d) Substantial risk that if the child was born, it would suffer from such physical or mental abnormalities as to be seriously handicapped:
(e) Failure of any contraceptive device or method:

B. Between 20-24 weeks of gestation
(a) Survivors of Sexual Assault/Rape/Incest:
(b) Minors:
(c) Change of marital status during the ongoing pregnancy (widowhood and divorce):
(d) Women with physical disabilities [major disability as per criteria laid down under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016)]:
(e) Mentally ill women including mental retardation:
(f) The foetal malformation that has substantial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped:
(g) Women with pregnancy in humanitarian settings or disasters or emergency situations as declared by Government:

C. Beyond 24 weeks of gestation
(a) The foetal malformation that has substantial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped:

Signature of the Officer In-charge with Date

24.08.25

FORM III

[Refer Regulation 5]

Admission Register

(To be destroyed on the expiry of five years from the date of the last entry in the Register)

Name of Facility: _____ Month _____ Year _____

S. No.	Date of Admission	Name of the Patient	Wife / Daughter of	Age	Religion	Address	Duration of Pregnancy	Reasons on which Pregnancy is terminated	Date of termination of Pregnancy	Date of discharge of patient	Result & Remarks	Name of Registered Medical Practitioner(s) by whom the opinion is formed *(For pregnancy beyond 24 weeks mention the names of Medical Board members)*	Name of Registered Medical Practitioner(s) by whorn Pregnancy is terminated	Method of MTP (MVA/ EVA/ MMA/ D&C/ Others)	Post Abortion Contraception (Tubal Ligation (TL)/IUCD/ OCP/ Injectables/ Others/ None)
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16

(17)

- पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी न होते हुए भी गर्भ का समापन करने वाले व्यक्ति को 02–07 वर्ष तक के कठोर कारावास से दण्डित किया जा सकता है। धारा 5 (2)
- धारा 4 के अतिरिक्त किसी अन्य स्थान पर गर्भ समापन करने पर:–
  - गर्भ समापन करने वाले चिकित्सक/व्यक्ति को 02–07 वर्ष तक के कठोर कारावास से दण्डित किया जा सकता है। धारा 5(3)
  - स्थान के स्वामी को 02–07 वर्ष तक के कठोर कारावास से दण्डित किया जा सकता है। धारा 5(4)

यौन हिंसा या बलात्कार या कौटुम्बिक व्यभिचार के कारण गर्भसमापन के मामलों में निम्नलिखित दिशा–निर्देशों का पालन प्रत्येक दशा में सुनिश्चित किया जाये:–

- किसी भी गर्भावस्था के मामले में सक्षम प्राधिकारी के आदेश के क्रम में सम्बन्धित जाँच अधिकारी पीड़िता को गर्भ के चिकित्सकीय समापन हेतु सम्बन्धित चिकित्सालय के प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षिक/अधीक्षिका के समक्ष 24 घण्टे के भीतर प्रस्तुत करेगें।

- तत्पश्चात् अर्ह पंजीकृत चिकित्सा व्यवसायी द्वारा पीड़िता की पूर्व उपलब्ध रिपोर्टों के साथ–साथ यथाशीघ्र पुनः परीक्षण/जाँच करवाकर पीड़िता (Any women including Single/Unmarried etc.) के गर्भ की समयावधि सुनिश्चित की जायेगी।

- गर्भ समापन के पूर्व सहमति पत्र की औपचारिकता आवश्यक रूप से पूर्ण कर ली जाये। एम0टी0पी0 एक्ट, 1971 की धारा 3 की उपधारा (4) के साथ पठित एम0टी0पी0 रूल्स, 2003 के नियम 9 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत गर्भ समापन हेतु गर्भवती महिला द्वारा अथवा उसके संरक्षक द्वारा सहमति प्रारूप–ग पर दी जानी है।

- गर्भ समापन हेतु उच्च केन्द्र पर सन्दर्भन आवश्यक होने की दशा में चिकित्सालय के प्रभारी चिकित्सा अधिकारी/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक द्वारा मुख्य चिकित्सा अधिकारी को अवगत कराते हुए पीड़िता को एम्बुलेन्स के माध्यम से उच्च केन्द्र पर भेजा जाये।

- यदि मामला 24 सप्ताह से अधिक की गर्भावस्था के समापन का है तो ऐसी दशा में मामले को तत्काल जनपद के मुख्य चिकित्सा अधिकारी के माध्यम से राय हेतु "राज्य मेडिकल बोर्ड" को सन्दर्भित किया जाये।

- सम्बन्धित चिकित्सक भ्रूण को संरक्षित करना सुनिश्चित करवायें तथा पीड़िता को जल्दबाजी में चिकित्सालय से अवमुक्त न किया जाये, ताकि पीड़िता के जीवन को सुरक्षित रखा जा सके तथा यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा सके।

- सम्बन्धित चिकित्सक गर्भ समापन के बिना पीड़िता को चिकित्सालय से अवमुक्त करने के कारणों का स्पष्ट उल्लेख करेगें, जिससे कि भ्रूण से सम्बन्धित विशिष्ट साक्ष्य नष्ट न हो जायें।

29.08.24

- सम्बन्धित चिकित्सक का यह दायित्व होगा कि यौन पीड़िता को दिये गये उपचार का विस्तृत उल्लेख करेगें एवं गर्भ समापन हेतु अपनायी गयी विधि का भी उल्लेख करेगें।

- यौन पीड़िता का यदि चिकित्सकीय परीक्षण हुआ है, तो समस्त चिकित्सालय यह सुनिश्चित करेगें कि ऐसी पीड़िता के मूल चिकित्सकीय विधि प्रमाण पत्र (एम0एल0सी0) एवं अवमुक्तिकरण सारांश (डिस्चार्ज समरी) की टंकित प्रति भी तैयार की जायेगी और एक सप्ताह के भीतर जाँच अधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा। सम्बन्धित चिकित्सालय समय की बचत के दृष्टिगत् चिकित्सकीय विधि प्रमाण पत्र (एम0एल0सी0) इलेक्ट्रानिक माध्यम से भी प्रेषित कर सकते हैं।

29.08.25

मा0 उच्चतम् न्यायालय, नई दिल्ली द्वारा सिविल अपील संख्या 5194/2024 A (Mother of X) Vs. State of Maharashtra & Anr. में पारित किये गये निर्णय दिनांक 29 अप्रैल 2024 के मुख्य बिन्दु

- The MTP Act protects the RMP and the medical boards when they form an opinion in good faith as to the termination of pregnancy.

- The medical board, in forming its opinion on the termination of pregnancies must not restrict itself to the criteria under Section 3(2-B) of the MTP Act but must also evaluate the physical and emotional well being of the pregnant person in terms of the judgment.

- When issuing a clarificatory opinion the medical board must provide sound and cogent reasons for any change in opinion and circumstances; and

- The consent of a pregnant person in decisions of reproductive autonomy and termination of pregnancy is paramount. In case there is a divergence in the opinion of pregnant person and her guardian, the opinion of the minor or mentally ill pregnant person must be taken into consideration as an important aspect in enabling the court to arrive at a just conclusion.

29.04.24

सन्दर्भ

(1) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी "Guidelines and Examination Proforma for Medico Legal Cases of Victims of Sexual Violence"

URL "https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/953522324.pdf"

(2) स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी "Handbook on Medical Methods on Abortion"

URL "https://nhm.gov.in/images/pdf/programmes/maternal-health/guidelines/MMA_Handbook.pdf"

महानिदेशक
परिवार कल्याण महानिदेशालय
उ०प्र०

29.08.25

29.08.25

Annexure No. PA-2

12-

प्रेषक,

मिशन निदेशक,
राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी
उत्तर प्रदेश।

पत्रांक–एसपीएमयू/मा0स्वा0/सु0गर्भ0से0/104/2013–14/1400-75 दिनांक 02.07.2013

विषय– सुरक्षित गर्भपात अधिनियम 1971 के अन्तर्गत सुरक्षित गर्भपात सेवाओं के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में दिशा–निर्देश।

महोदय,

हमारे प्रदेश में असुरक्षित गर्भपात के फलस्वरूप होने वाली मातृ मृत्यु का प्रतिशत 8.9 है। देश में प्रतिवर्ष लगभग 15 हजार माताओं की मौत असुरक्षित गर्भपात से हो जाती है। उत्तर प्रदेश की 80 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों में रहती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं में जानकारी का अभाव है, साथ ही गर्भनिरोधकों के प्रभावी उपयोग का प्रचलन भी कम है इसलिए अनचाहे गर्भधारण की सम्भावना बढ़ जाती है। सुरक्षित गर्भपात सेवाएँ भी अधिकतर शहरी क्षेत्रों में ही उपलब्ध हैं। प्रदेश में केवल 25 प्रतिशत गर्भपात सरकारी केन्द्रों में होते हैं और वे ही रिपोर्ट किये जाते हैं शेष 75 प्रतिशत गर्भपात प्राइवेट क्लीनिकों में होते हैं जिसमें अधिकतर सुरक्षित गर्भपात सेवाओं के लिये अधिकृत नही हैं और पंजीकरण न होने के कारण न ही उनके आँकड़े प्राप्त होते हैं और न ही उनकी गुणवत्ता मानकानुसार होने का पता लगता है। इन क्लीनिकों में सेवाएं भी इतनी मँहगी होती हैं कि ग्रामीण गरीब महिलायें इस खर्चे को वहन नहीं कर पातीं।

चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971, अमेन्डमेन्ट 2002–03 के अन्तर्गत हमारे देश में गर्भपात कानूनन वैध है। किन्तु सुरक्षित गर्भपात को कानूनी वैधता दिये जाने के 40 वर्षो बाद भी ग्रामीण अँचलों में स्थापित ब्लाक स्तरीय इकाईयों पर सुरक्षित गर्भपात सेवाएं प्रदान नहीं की जा रही हैं।

प्रत्येक जिले पर मुख्य चिकित्साधिकारी के अधीन एक कमेटी (डी0एल0सी0) का गठन किया गया है जो सभी सरकारी व निजी चिकित्सालयों तथा चिकित्सकों का मानकों के अनुसार परीक्षण व पंजीकरण करती हैं। सुरक्षित चिकित्सकीय गर्भपात सेवाएं प्रदान करने के लिए सेवा प्रदाता चिकित्सकों, निजी क्लीनिकों व चिकित्सालयों को इस अधिनियम के अन्तर्गत पंजीकृत व विनियमित किया जाता है। इस समिति को क्रियाशील किये जाने हेतु एक कार्यशाला 8–9 अप्रैल 2013 को राज्य स्तर पर आयोजित की गयी थी जिसमें सभी मुख्य चिकित्साधिकारियों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यशाला में सभी जनपदों द्वारा अपने जनपद में डी0एल0सी0 के गठन एवं क्रियाशील किये जाने हेतु कार्ययोजना प्रस्तुत की गयी थी। वर्ष 2013–14 के लिये एन0आर0एच0एम0 की राज्य कार्ययोजना में इस कार्यक्रम के क्रियान्वयन हेतु निम्न व्यवस्थाएं स्वीकृत की गयी हैं–

1. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत राज्य कार्यकारी योजना 2013–14 में प्रदेश में सुरक्षित विधियों द्वारा गर्भपात सेवाएं उपलब्ध कराएं जाने एवं प्रदेश के सभी जनपदों पर जिला स्तरीय समिति को सुचारू रूप से क्रियाशील किये जाने हेतु निम्न बिन्दुओं पर विशेष ध्यान दें–
   - चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971 एवं अमेन्डमेन्ट 2002–03 के अनुपालन में मुख्य चिकित्साधिकारी की अध्यक्षता में एक समिति (डी0एल0सी0) का गठन हो गया है एवं नियमित बैठकें की जायें।
   - सुरक्षित गर्भपात सेवाएं प्रदान करने वाले केन्द्रो (सरकारी व गैरसरकारी) की सूची जनपद कार्यालय पर उपलब्ध रहे।

29.08.25

- नवीन केन्द्रों के परीक्षण व पंजीकरण में विलम्ब न करते हुए नवीन सरकारी व गैरसरकारी सुरक्षित गर्भपात सेवाप्रदाताओं के पंजीकरण हेतु ससमय एवं नियमित रूप से कार्यवाही की जाये।
- 12–20 सप्ताह तक की सुरक्षित गर्भपात सेवायें प्रदान करने वाले स्वास्थ्य केन्द्रों/क्लीनिकों का पृथक से पंजीकरण कर मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय पर सूची प्रदर्शित की जाये।
- सभी सरकारी व गैरसरकारी पंजीकृत सेवा केन्द्र नियमित रूप से मासिक रिपोर्ट मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय को प्रेषित करें।

2. सुरक्षित गर्भपात सेवाओं की मासिक/त्रैमासिक रिपोर्टिंग एवं सुरक्षित गर्भपात सेवा प्रदान कर रही चिकित्सा इकाइयों पर उपलब्ध कराये जाने वाले सभी प्रारूपों की प्रति संलग्नक–2 पर प्रेषित की जा रही है जो इस प्रकार है–
   - प्रारूप क (स्थान के अनुमोदन के लिये आवेदन का प्रपत्र)
   - प्रारूप ख (अनुमोदन का प्रमाण–पत्र)
   - प्रारूप ग (सहमति प्रपत्र)
   - प्रारूप 1 (सलाह प्रपत्र)
   - प्रारूप 2 (इकाई के प्रभारी द्वारा मासिक रिपोर्टिंग का प्रारूप)
   - प्रारूप 3 (पी0पी0ओ0टी0 पर दाखिला रजिस्टर का प्रारूप)–सेवा प्रदाता द्वारा प्रभारी चिकित्सा इकाई को रिपोर्टिंग हेतु दाखिला रजिस्टर को इस प्रकार बनवाया जाये कि उसकी एक प्रति सेवा प्रदाता के पास पी0पी0ओ0टी0 में ही रखी जाये। प्रभारी चिकित्सा इकाई एवं मुख्य चिकित्साधिकारी के पास इकाईवार चिकित्सकीय गर्भपात की संख्या व अन्य विस्तृत जानकारी प्रेषित करते समय महिला का नाम व पता नहीं बताया जायेगा। चिकित्सकीय गर्भपात एक गोपनीय प्रक्रिया है अतः लाभार्थी के विषय में जानकारी सिवाय कोर्ट आदि के किसी को भी उजागर नहीं की जायेगी।
   - जिला स्तरीय समिति के द्वारा एम0टी0पी0 साइट के निरीक्षण व अनुश्रवण हेतु प्रारूप
   - सेवा प्रदाता इकाईयों पर रिकार्ड व्यवस्थित रखने हेतु फैसिलिटी लॉग बुक रजिस्टर।

उपर्युक्त प्रारूप की जानकारी सभी जनपदों को 8–9 अप्रैल 2013 को राज्य स्तर पर आयोजित कार्यशाला में उपलब्ध करायी गयी थी। सुलभ सन्दर्भ हेतु पत्र के साथ सभी प्रारूपों की प्रति संलग्न कर पुनः प्रेषित हैं (संलग्नक–2)। भारत सरकार द्वारा जिला स्तरीय समिति के स्तर पर कन्टेन्जेन्सी की व्यवस्था हेतु चिकित्सा इकाई पर उपलब्ध आर0के0एस0 अथवा अनटाइड फन्ड से धनराशि व्यय किया जाना स्वीकृत किया गया है।

3. प्रत्येक जनपद पर डी0एल0सी0 द्वारा सेवा प्रदाता इकाईयों (निजी एवं सरकारी) पर तैनात अधिकृत चिकित्सकों/स्टाफ नर्सों को चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971 व अमेन्डमेनट 2002 व 2003 के अनुरूप दस्तावेजों की व्यवस्था व इकाईयों पर सेवाओं की गुणवत्ता सुनिश्चित करने हेतु नियमित बैठकें की जायेगी। इस कार्य के लिये प्रत्येक जनपद को रू0 20,000.00 प्रति जनपद की दर से धनराशि स्वीकृत की जा रही है।

4. जिला स्तरीय समिति की त्रैमासिक अनुश्रवण बैठक हेतु रू0 5000.00 प्रति त्रैमास स्वीकृत किये गये हैं, इस प्रकार रू0 20,000.00 प्रति जनपद स्वीकृत हैं। इस बैठक का उद्देश्य सभी अधिकृत सेवा प्रदाता इकाईयों के प्रभारियों के साथ चर्चा परिचर्चा के माध्यम से कार्यक्रम को गति प्रदान किया जाना है। प्रदेश

29.08.13

में जनपद कौशाम्बी, चित्रकूट, अमेठी, अम्बेडकर नगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बस्ती, सन्त कबीर नगर, सिद्धार्थ नगर, औरैया, भदोही, सोनभद्र, चन्दौली में चिकित्सकीय गर्भपात की उपलब्धि शून्य है। इन जनपदों में जिला स्तरीय समितियों को युद्ध स्तर पर इस कार्यक्रम को सक्रिय करने हेतु कार्य करना होगा।

5. सुरक्षित गर्भपात सेवाओं हेतु औषधियों व कन्ज्यूमेबल्स की व्यवस्था–

- वर्ष 2013–14 में जनपदों की माँग के आधार पर कुल 866 एम0वी0ए0 (जनपदवार फॉट संलग्नक–1 कॉलम–2) सीरिंज क्रय किये जाने हेतु रू0–2500.00 प्रति किट की दर से धनराशि उपलब्ध कराई जा रही है।
- महानिदेशक परिवार कल्याण के स्तर से लिये गये निर्णय के अनुसार प्रदेश की जिला स्तरीय L-3 चिकित्सा इकाईयों पर मेडिकल एबॉर्शन (MMA) की सुविधा उपलब्ध कराये जाने के लिये रू0 200.00 प्रति मेडिकल एबॉर्शन (MMA) की दर से धनराशि स्वीकृत की गयी है। जिला स्तरीय समिति की बैठक में अपने जनपद में जिला महिला चिकित्सालय एवं सुरक्षित गर्भपात सेवायें प्रदान कर रही अन्य जिला स्तरीय चिकित्सा इकाईयों के प्रभारियों के साथ बैठक कर उनसे मेडिकल एबॉर्शन (MMA) की औषधियों की आवश्यकता का आँकलन कर माँग पत्र प्राप्त कर लें। चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971 के अमेन्डमेन्ट 2002 व 2003 के अनुसार मेडिकल एबॉर्शन की औषधियाँ खरीद के लिये महानिदेशालय द्वारा उपलब्ध कराये रेट कॉन्ट्रेक्ट पर क्रय की जायेंगी।
- एम0वी0ए0/ई0वी0ए0 एवं गर्भपात पश्चात चिकित्सा हेतु उपयोग होने वाली औषधियों एवं कन्ज्यूमेबल्स प्रसव इकाईयों के लिये प्रस्तावित ई0डी0एल0 में सम्मिलित है अतः जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत औषधियों व कन्ज्यूमेबिल्स के लिये उपलब्ध कराई गयी धनराशि से क्रय कर सेवा प्रदाता इकाईयों को प्रदान की जा सकती हैं।

6. सुरक्षित गर्भपात सेवाओं हेतु प्रशिक्षण –

- अपने जनपद में चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971 के अन्तर्गत प्रशिक्षण के लिये इच्छुक चिकित्सकों (निजी एवं राजकीय क्षेत्र से) से आवेदन पत्र प्राप्त कर लें। इनका प्रशिक्षण जिला महिला चिकित्सालय पर पूर्व से अधिकृत स्त्री रोग विशेषज्ञ के अधीन सम्बद्ध कर पूर्ण कराये। इस प्रशिक्षण के लिये कोई मानदेय देय नहीं है। अधिनियम के अनुरूप प्रशिक्षण पूर्ण करने पश्चात प्रशिक्षक द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्षु को चिकित्सकीय गर्भपात अधिनियम 1971 के अन्तर्गत अधिकृत करने हेतु डी0एल0सी0 को संस्तुति प्रेषित की जायेगी।
- पूर्व से प्रशिक्षित व अधिकृत सेवा प्रदाताओं को एम0एम0ए0/एम0वी0ए0 विधि पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण के लिए नामांकन कर राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान एवं एस0पी0एम0यू0 कार्यालय को सूचना भेज दें जिससे इन अधिकारियों को प्रदेश के 10 चिन्हित जिला महिला चिकित्सालयों पर प्रशिक्षण हेतु भेजा जा सके।

7. अनुश्रवण एवं रिपोर्टिंग:–

कार्यक्रम के अन्तर्गत भारत सरकार के स्तर पर त्रैमासिक रिपोर्ट प्रेषित किये जाने हेतु प्राविधानित प्रारूप एनेक्जर–10 (संलग्नक–2) पर प्रत्येक त्रैमास के अन्त में 15 दिवसों के अन्दर रिपोर्ट एस0पी0एम0यू0 कार्यालय jointdirectorfw@gmail.com, uks1974@hotmail.com एवं vkssinghal033@gmail.com पर प्रेषित की जानी है। मासिक रिपोर्ट परिवार कल्याण महानिदेशालय द्वारा प्राविधानित प्रारूपों पर पूर्ववत किया जायेगा।

8. जनपदों को अवमुक्त की जाने वाली धनराशि की फांट/वित्तीय व्यवस्था

29.08.25

- मुख्य चिकित्सा अधिकारी स्वीकृत धनराशि से महानिदेशालय से उपलब्ध कराए गए रेट कॉन्ट्रेक्ट के आधार पर सुरक्षित गर्भपात सेवाओं हेतु औषधियाँ एवं एम0वी0ए0 सीरिज क्रय कर संलग्नक–1 के अनुसार अपने जनपद की क्रियाशील सेवा प्रदाता इकाइयों पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।
- सभी उपार्जनों हेतु भारत सरकार द्वारा प्रेषित वित्तीय दिशा–निर्देशों का अनुपालन किया जायगा एवं सम्बन्धित समस्त भौतिक एवं वित्तीय अभिलेखों का रख–रखाव नियमानुसार किया जाय।
- किसी भी स्थिति में कोई भुगतान नगद नहीं किया जायगा।
- धनराशि का आबंटन मात्र आपको व्यय करने के लिये प्राधिकृत नहीं करता, अपितु वित्तीय नियमों, शासनादेशों एवं कार्यकारी समिति द्वारा निर्धारित प्रक्रिया का पालन करते हुए, सक्षम प्राधिकारी की स्वीकृति के उपरान्त ही व्यय नियमानुसार किया जायेगा। जिस कार्यक्रम/मद में धनराशि आवंटित की गयी है उसी सीमा तक व्यय नियमानुसार किया जाये।
- व्यय से सम्बन्धित समस्त लेखाबहियाँ, बिल वाउचर्स व अन्य अभिलेखों को अपने स्तर पर सुरक्षित रखें एवं नियुक्त मासिक कॉन्करेन्ट आडिटर, स्टैटच्यूरी आडिट, महालेखाकार की आडिट एवं सक्षम निरीक्षण अधिकारी हेतु उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाये।
- उपर्युक्त धनराशि के उपयोग में किसी प्रकार की अनियमितता के लिए जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी उत्तरदायी होंगे।

संलग्नक–यथोक्त।

भवदीय

01/7/13

(अमित कुमार घोष)
मिशन निदेशक

पत्रांक–एसपीएमयू/मा0स्वा0/सु0गर्भ0से0/104/2013–14/ तद्दिनांक।

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित–

1. प्रमुख सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश शासन, लखनऊ।
2. महानिदेशक,परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि वे अपने स्तर से भी जनपदों को समुचित दिशा–निर्देश प्रेषित करें।
3. समस्त जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश।
4. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।
5. वित्त नियंत्रक– एन0आर0एच0एम0, एस0पी0एम0यू0 उत्तर प्रदेश लखनऊ।
6. समस्त मण्डलीय परियोजना प्रबन्धक, एन0आर0एच0एम0, एस0पी0एम0यू0 उत्तर प्रदेश।
7. समस्त जिला परियोजना प्रबन्धक, एन0आर0एच0एम0, एस0पी0एम0यू0 उत्तर प्रदेश।
8. गार्ड फाइल।

(अमित कुमार घोष)
मिशन निदेशक

29.08.13

29.08.13

शीर्ष प्राथमिकता
स्ट/ई–मेल द्वारा
16-

प्रेषक,

महानिदेशक,
परिवार कल्याण महानिदेशालय
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

1. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक,
   चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तर प्रदेश।.

2. समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी,
   उत्तर प्रदेश।

पत्र संख्या –प०क०/10–जे०डी०/ /2016/5865-93 दिनांक– 19/5/16

विषय : जनपद में सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं के सुदृढ़ किये जाने के विषय में ।

महोदय,

कृपया राज्य कार्यकम प्रबन्धन इकाई, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश एवं Ipas संस्था के संयुक्त प्रयासों से 8 मार्च 2016 को सुरक्षित गर्भ समापन विषय पर लखनऊ जनपद में हुई "राज्य स्तरीय कार्यशाला" का संदर्भ लेने का कष्ट करें जिसके अंतर्गत हुई वार्ता के अनुसार जनपदों में सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं को सुदृढ किए जाने हेतु निम्नलिखित बिन्दुओं पर आपके द्वारा विशेष प्राथमिकता दिये जाने की आवश्यकता है –

1. समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारियों द्वारा निजी अस्पतालों के पंजीकरण हेतु जिला स्तरीय समिति(डी०एल०सी०) का गठन/कियान्वयन को सुनिश्चित करना।
2. जिले में जिला स्तरीय समिति(डी०एल०सी०) द्वारा अनुमोदित निजी चिकित्साल्यों की सूची राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं परिवार कल्याण निदेशालय,लखनऊ को उपलब्ध कराना।
3. मासिक समीक्षा के दौरान प्रशिक्षित चिकित्सकों द्वारा किये गये MTP केसों की समीक्षा एवं फालोअप करना।
4. जनपदों द्वारा MTP की त्रैमासिक रिर्पोट प्रस्तावित तिथि पर राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन एवं परिवार कल्याण निदेशालय,लखनऊ को प्रस्तुत करना।
5. निजी अस्पतालों द्वारा MTP रिपोर्ट प्राप्त कर संकलित रिपोर्ट प्रेषित करना।
6. चिकित्सकों का समेकित गर्भ समापन हेतु प्रशिक्षण का निर्देश प्राप्त होते ही योग्य एवं इच्छुक चिकित्सकों को प्रशिक्षण हेतु नामित करना तथा समय से मुख्यालय को सूचित करना।

29.05.16

7. समेकित गर्भ समापन सेवाओं के प्रशिक्षण तथा प्रशिक्षित चिकित्सकों को प्रशिक्षण उपरान्त सुविधा केन्द्रों पर तकनीकी सहयोग हेतु Ipas एवं सहयोगी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को यथा सम्भव आवश्यक सहयोग प्रदान करना।
8. सुरक्षित गर्भ समापन सेवाओं की उपलब्धता के बारे में आशाओं के माध्यम से जानकारी देने हेतु उनका अभिमुखीकरण किया जाना।

अतः आपको निर्देशित किया जाता है कि उपर उल्लिखित बिन्दुओं की समीक्षा करते कृत कार्यवाही से अधोहस्ताक्षरी को अविलम्ब अवगत कराये तथा इसकी सूचना ई-मेल (jointdirectorfw@gmail.com) तथा महाप्रबन्धक(परिवार नियोजन), एस०पी०एम०यू०, उत्तर प्रदेश लखनऊ के ई-मेल (gmfwnrhm@gmail.com) पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित करे।

भवदीय,

(एम0 आर0 मलिक)
महानिदेशक,

पत्र संख्या -प०क०/10-जे०डी०/ /2016/ 5158-4 दिनांकित्

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-
1. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
2. अधिशासी निदेशक, सिफ्सा, ओम कैलाश टावर, विधान सभा मार्ग, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
3. महाप्रबन्धक (परिवार नियोजन) राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
4. राज्य कार्यकम प्रबन्धक, Ipas संस्था, 5/266, विपुल खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010।

संयुक्त निदेशक(प०क०),
परिवार कल्याण महानिदेशालय,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

29.08.25

29.08.25

Annexure No. PA-4

18-

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उत्तर प्रदेश
16 ए.पी.सेन मार्ग,मण्डी परिषद भवन, लखनऊ

(121)

प्रेषक,

मिशन निदेशक
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन।
उत्तर प्रदेश, लखनऊ।

सेवा में,

1.समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा एव स्वास्थ्य सेवायें, उ0प्र0।
2.समस्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी उ0प्र0।
3.समस्त मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका, उ0प्र0।

पत्रांक–एन0एच0एम0/एस0पी0एम0यू0/FP-CAC/104/2021–22/6475-3 दिनांक– 10-01-2022 .12.2021

विषय :– चिकित्सीय गर्भसमापन एक्ट (एम0टी0पी0 एक्ट) अधिनियम में संशोधन के सम्बन्ध में।

कृपया पूर्व प्रेषित पत्र संख्या–एन0एच0एम0/एस0पी0एम0यू0/सु0गर्भ0से0/104/13–14/1400–75 दिनाक 02.07.2013 एवं भारत सरकार के संशोधित संसोधन के कम में भारत के राजपत्र अधिसूचना दिनांक 12 अक्टूबर 2021 का सन्दर्भ ग्रहण करना चाहें, जो कि सुरक्षित गर्भपात सेवाओं को सुदृढ़ बनाने हेतु स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चिकित्सीय गर्भसमापन एक्ट (एम0टी0पी0 एक्ट) अधिनियम 1971 (1971 का 34) की धारा 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गर्भ का चिकित्सीय गर्भ समापन नियम, 2003 में कुछ महत्वपूर्ण संशोधन किये गये है, जो निम्नवत है –

एम0टी0पी0 संशोधन अधिनियम, 2021 के प्रमुख प्रावधान :–

संशोधित अधिनियम में गर्भ के समापन की सीमा को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह किया गया है। 24 सप्ताह तक की गर्भावस्था का समापन निम्नलिखित परिस्थियों में किया जा सकता है–

- अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2) के खंड (ख) के अधीन, चौबीस सप्ताह की अवधि हेतु गर्भावस्था के समापन के लिए निम्नलिखित प्रवर्गों की स्त्रियों को पात्र समझा जाएगा, अर्थात –

(क) यौन हमले या बलात्संग या कौटुम्बिक व्यभिचार के उत्तरजीवी;
(ख) अल्पवय या नाबालिग;
(ग) गर्भावस्था के दौरान वैवाहिक प्रस्थिति में परिवर्तन (वैधव्य या विवाह -- विच्छेद);
(घ) शारीरिक अक्षमताओं वाली स्त्रियां (दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016 (2016 का 49) के अधीन अभिकथित मानदंडों के अनुसार प्रमुख निःशक्तता);
(ङ) मानसिक रूप से रूग्ण स्त्री जिसके अंतर्गत मानसिक मंदता भी है;
(च) भ्रूणीय विकृति का इसके जीवन के साथ असंगत होने का सारवान् जोखिम है या यदि शिशु उत्पन्न होता है तो वह ऐसी शारीरिक या मानसिक असामान्यताओं से पीडित हो सकता है जिससे वह गम्भीर रूप से अक्षम हो ; और
(छ) मानवीय स्थितियों या आपदा या आकस्मिकता की परिस्थितियो में गर्भावस्था वाली स्त्री, जैसा कि सरकार द्वारा घोषित किया जाए ।

गोपनीयता :–

गर्भ को समाप्त करने वाली किसी महिला का नाम और अन्य विवरण, वर्तमान कानून में अधिकृत व्यक्ति को छोड़कर किसी के भी समक्ष प्रकट नहीं किया जायेगा। गर्भ समापन करने वाली महिला की जानकारी को गोपनीय रखा जायेगा।

औषधि विधि द्वारा गर्भपात पंजीकृत डॉक्टरों द्वारा किये जाने हेतु शर्तें :–

औषधियों से गर्भपात की सीमा **09 सप्ताह तक** की गई है औषधि विधि से गर्भ समापन करने के लिए किसी भी पंजीकृत चिकित्सा अधिकारी (Registered Medical Practitioner) की निम्न अर्हता होनी चाहिए–

पंजीकृत स्त्री एवं प्रसूति रोग विज्ञान में विशेषता वाले डॉक्टरों कम से कम 03 माह की अवधि का किसी चिकित्सालय का अनुभव एवं गर्भ समापन की पद्वतियों द्वारा 09 सप्ताह तक की गर्भावधि के गर्भ समापन करने का अनुभव और प्रशिक्षण प्राप्त हो।

सरकार द्वारा स्थापित या अनुरक्षित अस्पताल में अथवा अनुमोदित प्रशिक्षण संस्थान में गर्भ के चिकित्सीय समापन के दस केसों का चिकित्सा पद्धतियों द्वारा गर्भ समापन किसी पंजीकृत चिकित्सा अधिकारियों के पर्यवेक्षण के अधीन स्वतन्त्र रूप से किया हो।

स्पष्टीकरण में,**"सात सप्ताह"**,शब्दों के स्थान पर ,**"नौ सप्ताह"** शब्द रखे जायेंगे।

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उत्तर प्रदेश
16 ए.पी.सेन मार्ग,मण्डी परिषद भवन, लखनऊ

विशेष श्रेणियों के लिए अधिकतम गर्भावधि सीमा :–

- महिलाओं की विशेष श्रेणियों (इसमें दुष्कर्म तथा अनाचार से पीड़ित महिलाओं तथा अन्य कमजोर महिलाओं जैसे – दिव्यांग महिलाएं और नाबालिग आदि) के लिए गर्भकाल/गर्भावधि की सीमा को **24 सप्ताह** से बढाकर **चिकित्सा बोर्ड** के निर्णय उपरांत अब कभी भी गर्भ का चिकित्सीय समापन करने का प्रावधान किया गया है।

गर्भ की समाप्ति के लिए पंजीकृत चिकित्सकों से राय लेना आवश्यक है –

1. अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए, पंजीकृत चिकित्सों की राय, जो गर्भावस्था की विभिन्न अवधियों के लिए अपेक्षित है, निम्नलिखित होगी, अर्थात :–

- **नौ सप्ताह तक** की गर्भावस्था अवधि के गर्भसमापन के लिए **एक पंजीकृत चिकित्सक की राय** आवश्यक है।
- **बारह सप्ताह तक** की गर्भावस्था अवधि के गर्भसमापन के लिए **एक पंजीकृत चिकित्सक** की राय आवश्यक है।
- **बारह सप्ताह से अधिक बीस सप्ताह तक** की गर्भावस्था अवधि के गर्भसमापन के लिए **एक पंजीकृत चिकित्सक की राय** आवश्यक है।

1. अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2क) के प्रयोजनों के लिए, **बीस सप्ताह से अधिक चौबीस सप्ताह तक** की गर्भावस्था अवधि के गर्भ के समापन हेतु **दो पंजीकृत चिकित्सकों की राय** लेना आवश्यक होगा।
2. धारा 3 की उपधारा (2ख) के प्रयोजनों के लिए, **चौबीस सप्ताह से अधिक** की गर्भावस्था अवधि के गर्भ समापन हेतु **चिकित्सा बोर्ड के अधीन दो पंजीकृत चिकित्सकों को चिकित्सा बोर्ड के निर्णय उपरान्त गर्भ समापन करेंगे।**

चौबीस सप्ताह से ज्यादा की गर्भावस्था के समापन की स्थिति में :–

24 सप्ताह से ज्यादा के गर्भावस्था की समापन निम्न बिंदुओं को पूर्ण करने वाली स्वास्थ्य इकाइयों में किया जा सकता है,

- ऑपरेशन टेबल और उदर सम्बन्धी या स्त्री रोग सम्बन्धी शल्य चिकित्सा करने के लिए उपस्कर;
- निश्चेतना उपस्कर (Anesthesia), पुनरुज्जीवन उपस्कर (Resuscitation) और विसंक्रमण उपस्कर (Disinfection)
- औषधियों, आकस्मिक उपयोग के लिए जनकीय तरलों और रक्त की उपलब्धता, जैसा केंद्रीय सरकार द्वारा समय–समय पर अधिसूचित किया जाये;
- अल्ट्रासाउंड मार्गदर्शन के अधीन प्रक्रिया के लिए सुविधाएं।

चिकित्सा बोर्ड–

चिकित्सा बोर्ड से अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (2ग)के अधीन गठित चिकित्सा बोर्ड अभिप्रेत है।

चिकित्सा बोर्ड की शक्तियॉ–

- उक्त धारा की उपधारा (2ख) के अधीन, केवल सम्यक विचार करने के पश्चात् और यह सुनिश्चित करने के पश्चात कि गर्भ की उस अवस्था में स्त्री के लिए प्रकिया सुरक्षित होगी तथा क्या भ्रूणीय विकृति का इसके जीवन के साथ असंगत होने का सारवान् जोखिम है या यदि शिशु उत्पन्न होता है तो वह ऐसी शारीरिक या मानसिक असामान्यताओं से पीडित हो सकता है जिससे वह गम्भीर रूप से अक्षम हो, 24 सप्ताह की गर्भावधि के आगे गर्भ का समापन अनुज्ञात करना या अस्वीकार करना।
- बोर्ड में अन्य विशेषज्ञों से सहयोग लेना तथा गर्भ के समापन का विनिश्चय करने के लिए, यदि अपेक्षित हो, अतिरिक्त अन्वेषणों के लिए कहना।

चिकित्सा बोर्ड के कार्य :–

चिकित्सा बोर्ड के कार्य निम्नलिखित होंगे–

- गर्भवती महिला और उसकी रिपोर्टों का परीक्षण करना, जो धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए आयी हैं।
- धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए आवेदन प्राप्ति के तीन दिनों के भीतर गर्भ के समापन या समापन के आवेदन को अस्वीकृत करने के सम्बन्ध में **प्रारूप घ** में चिकित्सा बोर्ड की राय प्रदान करना।
- यह सुनिश्चित करना कि गर्भ समापन की प्रक्रिया जब चिकित्सा बोर्ड द्वारा सलाह दी जाये, तो वह धारा 3 की उपधारा (2ख) के अधीन गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए आवेदन की तारीख से पांच दिनों के भीतर समुचित परामर्श एवं पूर्ण सावधानियों के साथ किया जाये ।

क्रमशः

20-

राज्य कार्यक्रम प्रबंधन इकाई
राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,उत्तर प्रदेश
16 ए.पी.सेन मार्ग,मण्डी परिषद भवन, लखनऊ

(119)

संशोधित प्रपत्रः

सुरक्षित गर्भपात सेवा प्रदान करने हेतु विभिन्न रिपोर्टिंग फॉर्मेट एवं रजिस्टर के संशोधित प्रारूप का विवरण निम्नवत है–

- फॉर्म क (स्थान के अनुमोदन के लिए आवेदन का संशोधित प्रपत्र)
- फॉर्म ख (अनुमोदन का प्रमाण पत्र)
  उपरोक्त दोनों प्रारूप निजी सेवा केन्द्रो के पंजीकरण हेतु है।
- फॉर्म ग (संशोधित सहमति प्रपत्र)
- फॉर्म 1 (संशोधित सलाह प्रपत्र)
- फॉर्म 2 (इकाईयों के प्रभारी द्वारा मासिक रिपोर्टिंग का प्रारूप)
- फॉर्म 3 (ओ0टी0 पर दाखिला रजिस्टर का संशोधित प्रारूप)
- फॉर्म घ (24 सप्ताह से परे गर्भ के चिकित्सीय समापन के लिए चिकित्सा बोर्ड की रिर्पोट प्रारूप)
- फॉर्म ङ (20 सप्ताह से अधिक 24 सप्ताह तक गर्भावस्था की अवधि के लिए प्रारूप)

संलग्नक :– भारत सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देश एवं संशोधित प्रारूप।

भवदीया

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

पत्रांक–एन0एच0एम0 / एस0पी0एम0यू0 / FP-CAC / 104 / 2021–22 / 6475-3(10) तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ / आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :–

1. अपर मुख्य सचिव, चि0 स्वा0 एवं प0क0, उत्तर प्रदेश शासन।
2. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय उत्तर प्रदेश, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि वे अपने स्तर से भी जनपदों को समुचित दिशा–निर्देश प्रेषित करें।
3. महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा, उत्तर प्रदेश, लखनऊ को इस आशय से प्रेषित कि वे अपने स्तर से समस्त मेडिकल कॉलेज को समुचित दिशा–निर्देश प्रेषित करें।
4. अधिशासी निदेशक, सिफ्सा उ0प्र0, लखनऊ।
5. समस्त जिलाधिकारी / अध्यक्ष जिला स्वास्थ्य समिति, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश, लखनऊ।
6. वित नियंत्रक–एन0एच0एम0, एस0पी0एम0यू0, उ0प्र0, लखनऊ।
7. समस्त मण्डलीय कार्यकम प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ।
8. समस्त जिला कार्यकम प्रबन्धक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उत्तर प्रदेश ।
9. समस्त मण्डलीय / जनपदीय एफ0 पी0 लॉजिस्टिक मैनेजर उत्तर प्रदेश ।
10. गार्ड फाइल।

24.08.21

(अपर्णा उपाध्याय)
मिशन निदेशक

File No.5-9099/5/2024-9-

Annexure No. PA-7

संख्या- /2024/41/पांच-9-2024

प्रेषक,

पार्थ सारथी सेन शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1- **समस्त निदेशक/प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका,**
उत्तर प्रदेश।

2- **समस्त मुख्य चिकित्साधिकारी,**
उत्तर प्रदेश।

चिकित्सा अनुभाग-9 **लखनऊ, दिनांक** 08 अप्रैल जनवरी, 2024

विषय:-मा0 उच्च न्यायालय, दिल्ली द्वारा बेल एप्लीकेशन संख्या-2128/2023 में पारित आदेश दिनांक 09 अगस्त, 2023 के अनुपालन के सम्बन्ध में।

महोदय/महोदया,

उपर्युक्त विषयक अनु सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के पत्र संख्या-सी.18018/31/2023-एच0-11, दिनांक 03 अक्टूबर, 2023 (छायाप्रति संलग्न) का कृपया सन्दर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, उक्त पत्र के क्रम में मा0 उच्च न्यायालय, दिल्ली द्वारा बेल एप्लीकेशन संख्या-2128/2023 में पारित आदेश दिनांक 09 अगस्त, 2023 में यौन पीडिता के मेडिको लीगल केस हेतु दिशा-निर्देश दिये गये, जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत है :-

- गर्भावस्था 20 सप्ताह से कम होने पर भी सक्षम प्राधिकारी के आदेश के क्रम में पीडिता को चिकित्सक के समक्ष 24 घण्टे के भीतर प्रस्तुत किया जाय। सम्बन्धित जॉच अधिकारी पीडिता को गर्भ के चिकित्सकीय समापन हेतु सम्बन्धित चिकित्सालय के प्रमुख/मुख्य चिकित्सा अधीक्षक/अधीक्षिका के समक्ष 24 घण्टे के भीतर प्रस्तुत करेंगे, भले ही उसका गर्भ 20 सप्ताह से कम की अवधि का हो।
- **भ्रूण संरक्षण-** सम्बन्धित चिकित्सक भ्रूण को संरक्षित करना सुनिश्चित करेंगे तथा पीडिता को जल्दबाजी में चिकित्सालय से अवमुक्त नहीं करेंगे, ताकि पीडिता के जीवन को सुरक्षित रखा जा सके तथा यौन उत्पीड़न से सम्बन्धित साक्ष्यों को सुरक्षित रखा जा सके।
- **गर्भ के चिकित्सकीय समापन के बिना पीडिता को अवमुक्त करने का अभिलेखीकरण-** सम्बन्धित चिकित्सक गर्भ समापन के बिना पीडिता को चिकित्सालय से अवमुक्त करने के कारणों का स्पष्ट उल्लेख करेंगे, जिससे कि भ्रूण से सम्बन्धित विशिष्ट साक्ष्य नष्ट न हो जाय।
- **गर्भ समापन सम्बन्धित उपचार का विस्तृत उल्लेख-** सम्बन्धित चिकित्सक का यह दायित्व होगा कि यौन पीडिता को दिये गये उपचार का विस्तृत उल्लेख करेंगे एवं गर्भ समापन हेतु अपनायी गयी विधि एवं औषधियों का भी उल्लेख करेंगे।
- **यौन पीडिता से सम्बन्धित हस्तलिखित मेडिको लीगल रिपोर्ट मा0 उच्च न्यायालय द्वारा पढने में होने वाली समस्याओं के दृष्टिगत मेडिको लीगल रिपोर्ट टंकित करने हेतु-** यौन पीडिता का यदि चिकित्सकीय परीक्षण हुआ है, तो समस्त चिकित्सालय यह सुनिश्चित करेंगे कि ऐसी

No. 5-9099/5/2024-चिकित्सा अनुभाग-9-चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग (Computer No. 1779373)

पीडिता के मूल चिकित्सकीय विधि प्रमाण पत्र (एम0एल0सी0) एवं अवमुक्तिकरण सारांश (डिस्चार्ज समरी) की टंकित प्रति भी तैयार किया जायेगा और एक सप्ताह के भीतर जॉच अधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा। सम्बन्धित चिकित्सालय समय के बचत के दृष्टिगत चिकित्सकीय विधि प्रमाण पत्र (एम0एल0सी0) इलेक्ट्रानिक माध्यम से भी प्रेषित कर सकते है।

उपरोक्त सम्बन्ध में भारत सरकार द्वारा जारी "Guidelines and Examination Proforma for Medico Legal Cases of Victims of Sexual Violence"स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय,भारत सरकार,यू.आर.एल."https://main.mohfw.gov.in/sites/default/files/953522324.pdf"पर भी उपलब्ध है।

2- इस सम्बन्ध में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि कृपया अपने-अपने जनपद से सम्बन्धित समस्त स्वास्थ्य इकाईयों/अस्पतालों में उक्त दिशा-निर्देशों का कडाई से अनुपालन कराया जाना सुनिश्चित करने का कष्ट करें।

संलग्नक:यथोक्त

भवदीय

पार्थ सारथी सेन शर्मा
प्रमुख सचिव।

संख्या- /2024(1)24/पांच-9-2024, तद्दिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

1. सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, भारत सरकार (हॉस्पिटल-2 सेक्शन), निर्माण भवन, नई दिल्ली।
2. मिशन निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, उ0प्र0।
3. समस्त जिला-मजिस्ट्रेट, उ0प्र0।
4. महानिदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, स्वास्थ्य भवन, उ0प्र0 लखनऊ।
5. महानिदेशक, परिवार कल्याण, परिवार कल्याण महानिदेशालय, उ0प्र0, लखनऊ।
6. महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0, लखनऊ।
7. महानिदेशक, प्रशिक्षण (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) उ0प्र0।
8. समस्त मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0।
9. समस्त वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, उ0प्र0।
10. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,
Digitally Signed by नरेन्द्र कुमार
Date: 05-04-2024 13:44:24
Reason: Approved
नरेन्द्र कुमार
विशेष सचिव।

29.08.25

29.08.25

MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY ACT, 1971

[Act No. 34 of 1971]

[*10th August, 1971*]

An Act to provide for the termination of certain pregnancies by registered medical practitioners and for matters connected therewith or incidental thereto.

BE it enacted by Parliament in the Twenty-second Year of the Republic of India as follows—

Statement of Objects and Reasons.—The provisions regarding the termination of pregnancy in the Indian Penal Code which were enacted about a century ago were drawn up in keeping with the then British Law on the subject. Abortion was made a crime for which the mother as well as the abortionist could be punished except where it had to be induced in order to save the life of the mother. It has been stated that this very strict law has been observed in the breach in a very large number of cases all over the country. Furthermore, most of these mothers are married women, and are under no particular necessity to conceal their pregnancy.

2. In recent years, when health services have expanded and hospitals are availed of to the fullest extent by all classes of society, doctors have often been confronted with gravely ill or dying pregnant women whose pregnant uterus have been tampered with a view to causing an abortion and consequently suffered very severely.

3. There is thus avoidable wastage of the mother's health, strength and, sometimes, life. The proposed measure which seeks to liberalise certain existing provisions relating to termination of pregnancy has been conceived (1) as a health measure—when there is danger to the life or risk to physical or mental health of the woman; (2) on humanitarian grounds—such as when pregnancy arises from a sex crime like rape or intercourse with a lunatic woman, etc.; and (3) eugenic grounds—where there is substantial risk that the child, if born, would suffer from deformities and diseases.

1. Short title, extent and commencement.—(1) This Act may be called THE MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY ACT, 1971.

(2) It extends to the whole of India[1] [2][* * *].

---

1 In exercise of the powers conferred by clause (*n*) of article 371F of the Constitution, the President hereby extends to the State of Sikkim the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971) hereinafter referred to as the said Act, subject to the following modifications, namely—

(*i*) any reference in the said Act to a law not in force or to a functionary not in existence in the State of Sikkim shall be construed as a reference to the corresponding law in force, or to the corresponding functionary in existence, in the State :
Provided that if any question arises as to who such corresponding functionary is, or if there is no such corresponding functionary, the Central Government shall decide as to who such functionary shall be and the decision of the Central Government in that regard shall be final;

(*ii*) the provisions of the said Act come into force in the State of Sikkim on such date as the Central Government may, by notification in the *Official Gazette*, appoint :
Provided that different dates may be appointed for different provisions of the said Act and for different areas in the State of Sikkim and any reference in any such provision to the commencement of the Act shall be construed as a reference to the coming into force of that provision in the area where it has been brought into force.—*Vide* S.O. 463(*E*), dated 29.3.2007 (*w.e.f.* 19.6.2007).

2 The words "except the State of Jammu and Kashmir" omitted by the Jammu and Kashmir Reorganisation Act, 2019 (34 of 2019) (*w.e.f.* 31.10.2019).

Scanned with OKEN Scanner

(3) It shall come into force on such date[1] as the Central Government may, by notification in the *Official Gazette*, appoint.

2. Definitions.—In this Act, unless the context otherwise requires—

(*a*) *"guardian"* means a person having the care of the person of a minor or a [2][mentally ill person];

[3][(*aa*) *"Medical Board"* means the Medical Board constituted under sub-section (2C) of section 3 of the Act;]

[4][(*b*) *"mentally ill person"* means a person who is in need of treatment by reason of any mental disorder other than mental retardation;]

(*c*) *"minor"* means a person who, under the provisions of the Indian Majority Act, 1875 (9 of 1875), is to be deemed not to have attained his majority;

(*d*) *"registered medical practitioner"* means a medical practitioner who possesses any recognised medical qualification as defined in clause (*h*) of section 2 of the Indian Medical Council Act, 1956 (102 of 1956), whose name has been entered in a State Medical Register and who has such experience or training in gynaecology and obstetrics as may be prescribed by rules made under this Act.

[5][(*e*) *"termination of pregnancy"* means a procedure to terminate a pregnancy by using medical or surgical methods.]

3. When pregnancies may be terminated by registered medical practitioners.—(1) Notwithstanding anything contained in the Indian Penal Code (45 of 1860), a registered medical practitioner shall not be guilty of any offence under that Code or under any other law for the time being in force, if any pregnancy is terminated by him in accordance with the provisions of this Act.

[6][(2) Subject to the provisions of sub-section (4), a pregnancy may be terminated by a registered medical practitioner—

---

1 Came into force on 1.4.1972, *vide* G.S.R. 285, dated 19.2.1972, published in the Gazette of India, Pt. II, Sec. 3(*i*), p. 708.

2 Substituted by Act 64 of 2002 for "lunatic" (*w.e.f.* 18.6.2003).

3 Inserted by Act 8 of 2021 (*w.e.f.* 24.9.2021).

4 Substituted by Act 64 of 2002 for clause (*b*). Clause (*b*), before substitution, stood as under—

"(*b*) *"lunatic"* has the meaning assigned to it in section 3 of the Indian Lunacy Act, 1912 (4 of 1912)" (*w.e.f.* 18.6.2003).

5 Inserted by Act 8 of 2021 (*w.e.f.* 24.9.2021).

6 Substituted by Act 8 of 2021 for sub-section (2). Sub-section (2), before substitution, stood as under—

"(2) Subject to the provisions of sub-section (4), a pregnancy may be terminated by a registered medical practitioner—

(*a*) where the length of the pregnancy does not exceed twelve weeks, if such medical practitioner is, or

(*b*) where the length of the pregnancy exceeds twelve weeks but does not exceed twenty weeks, if not less than two registered medical practitioners are, of opinion formed in good faith, that—

(*i*) the continuance of the pregnancy would involve a risk to the life of the pregnant woman or of grave injury to her physical or mental health; or

(*ii*) there is a substantial risk that if the child were born, it would be suffer form such physical or mental abnormalities as to be seriously handicapped.

Scanned with OKEN Scanner

(*a*) where the length of the pregnancy does not exceed twenty weeks, if such medical practitioner is, or

(*b*) where the length of the pregnancy exceeds twenty weeks but does not exceed twenty-four weeks in case of such category of woman as may be prescribed by rules made under this Act, if not less than two registered medical practitioners are,

of the opinion, formed in good faith, that—

(*i*) the continuance of the pregnancy would involve a risk to the life of the pregnant woman or of grave injury to her physical or mental health; or

(*ii*) there is a substantial risk that if the child were born, it would suffer from any serious physical or mental abnormality.

Explanation 1.—For the purposes of clause (*a*), where any pregnancy occurs as a result of failure of any device or method used by any woman or her partner for the purpose of limiting the number of children or preventing pregnancy, the anguish caused by such pregnancy may be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman.

Explanation 2.—For the purposes of clauses (*a*) and (*b*), where any pregnancy is alleged by the pregnant woman to have been caused by rape, the anguish caused by the pregnancy shall be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman.

(2A) The norms for the registered medical practitioner whose opinion is required for termination of pregnancy at different gestational age shall be such as may be prescribed by rules made under this Act.

(2B) The provisions of sub-section (2) relating to the length of the pregnancy shall not apply to the termination of pregnancy by the medical practitioner where such termination is necessitated by the diagnosis of any of the substantial foetal abnormalities diagnosed by a Medical Board.

(2C) Every State Government or Union territory, as the case may be, shall, by notification in the *Official Gazette*, constitute a Board to be called a Medical Board for the purposes of this Act to exercise such powers and functions as may be prescribed by rules made under this Act.

(2D) The Medical Board shall consist of the following, namely—

(*a*) a Gynaecologist;

(*b*) a Paediatrician;

(*c*) a Radiologist or Sonologist; and

(*d*) such other number of members as may be notified in the *Official Gazette* by the State Government or Union territory, as the case may be.]

Explanation 1.—Where any pregnancy is alleged by the pregnant woman to have been caused by rape, the anguish caused by such pregnancy shall be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman.

Explanation 2.—Where any pregnancy occurs as a result of failure of any device or method used by any married woman or her husband for the purpose of limiting the number of children, the anguish caused by such unwanted pregnancy may be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman." (*w.e.f.* 24.9.2021)

Scanned with OKEN Scanner

(3) In determining whether the continuance of a pregnancy would involve such risk of injury to the health as is mentioned in sub-section (2), account may be taken of the pregnant woman's actual or reasonably foreseeable environment.

(4)(*a*) No pregnancy of a woman, who has not attained the age of eighteen years, or, who, having attained the age of eighteen years, is a [1][mentally ill person], shall be terminated except with the consent in writing of her guardian.

(*b*) Save as otherwise provided in clause (*a*), no pregnancy shall be terminated except with the consent of the pregnant woman.

[2][4. **Place where pregnancy may be terminated.**—No termination of pregnancy shall be made in accordance with this Act at any place other than—

(*a*) a hospital established or maintained by Government, or

(*b*) a place for the time being approved for the purpose of this Act by Government or a District Level Committee constituted by that Government with the Chief Medical Officer or District Health Officer as the Chairperson of the said Committee:

Provided that the District Level Committee shall consist of not less than three and not more than five members including the Chairperson, as the Government may specify from time to time.]

SYNOPSIS

1. Termination of pregnancy.....122

1. Termination of pregnancy.—The counter filed by the respondents, would clearly show that she was raped by several persons on several dates against her will. Besides the allegation of rape, as contained in the records filed by both the parties, the mental anguish and agony and grave injury to her mental health, being suffered by the petitioner due to the continuance of the unwanted pregnancy in her womb is also clearly spelt out by the petitioner herself in her affidavit. Unless the pregnancy of the petitioner is terminated, not only the mental shock and anguish would be caused, but also an irreparable loss would be caused to her, which cannot be remedied. To conduct medical termination of pregnancy of the petitioner and preserve fetus to enable the investigating agency to ask for DNA test, which would be helpful in order to prove the case of rape alleged by the petitioner, against the persons during the course of trial.[3]

5. Sections 3 and 4 when not to apply.—(1) The provisions of section 4, and so much of the provisions of sub-section (2) of section 3 as relate to the length of the pregnancy and the opinion of not less than two registered medical practitioners, shall not apply to the termination of a pregnancy by a registered medical practitioner in a case where he is of opinion, formed in good faith, that the termination of such pregnancy is immediately necessary to save the life of the pregnant woman.

[4][(2) Notwithstanding anything contained in the Indian Penal Code, the termination of pregnancy by a person who is not a registered medical practitioner shall be an offence punishable with rigorous imprisonment for a term which

1 Substituted by Act 64 of 2002 for "lunatic" (*w.e.f.* 18.6.2003).
2 Substituted by Act 64 of 2002 for section 4 (*w.e.f.* 18.6.2003).
3 *D. Rajeswari* v. *State of Tamil Nadu*, 1996 Cri LJ 3795 (Mad).
4 Substituted by Act 64 of 2002 for sub-section (2) (*w.e.f.* 18.6.2003).

Scanned with OKEN Scanner

shall not be less than two years but which may extend to seven years under that Code, and that Code shall, to this extent, stand modified.

(3) Whoever terminates any pregnancy in a place other than that mentioned in section 4, shall be punishable with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than two years but which may extend to seven years.

(4) Any person being owner of a place which is not approved under clause (6) of section 4 shall be punishable with rigorous imprisonment for a term which shall not be less than two years but which may extend to seven years.

Explanation 1.—For the purposes of this section, the expression *"owner"* in relation to a place means any person who is the administrative head or otherwise responsible for the working or maintenance of a hospital or place, by whatever name called, where the pregnancy may be terminated under this Act.

Explanation 2.—For the purposes of this section, so much of the provisions of clause (*d*) of section 2 as relate to the possession, by registered medical practitioner, of experience or training in gynecology and obstetrics shall not apply.]

[1][**5A. Protection of privacy of a woman.**—(1) No registered medical practitioner shall reveal the name and other particulars of a woman whose pregnancy has been terminated under this Act except to a person authorised by any law for the time being in force.

(2) Whoever contravenes the provisions of sub-section (1) shall be punishable with imprisonment which may extend to one year, or with fine, or with both.]

6. Power to make rules.—(1) The Central Government may, by notification in the *Official Gazette*, make rules to carry out the provisions of this Act.

(2) In particular, and without prejudice to the generality of the foregoing power, such rules may provide for all or any of the following matters namely—

(*a*) the experience or training, or both, which a registered medical practitioner shall have if he intends to terminate any pregnancy under this Act; and

[2][(*aa*) the category of woman under clause (b) of sub-section (2) of section 3;

(*ab*) the norms for the registered medical practitioner whose opinion is required for termination of pregnancy at different gestational age under sub-section (2A) of section 3;

(*ac*) the powers and functions of the Medical Board under sub-section (2C) of section 3.]

(*b*) such other matters as are required to be or may be, provided by rules made under this Act.

(3) Every rule made by the Central Government under this Act shall be laid, as soon as may be after it is made, before each House of Parliament while it is in session for a total period of thirty days which may be comprised in one session or in two successive sessions, and if, before the expiry of the session in which it is so laid or the session immediately following, both Houses agree in

1 Inserted by Act 8 of 2021 (*w.e.f.* 24.9.2021).
2 Inserted by Act 8 of 2021 (*w.e.f.* 24.9.2021).

Scanned with OKEN Scanner

making any modification in the rule or both Houses agree that the rule should not be made, the rule shall thereafter have effect only in such modified form or be of no effect, as the case may be; so, however, that any such modification or annulment shall be without prejudice to the validity of anything previously done under that rule.

7. Power to make regulations.—(1) The State Government may, by regulations—

(*a*) require any such opinion as is referred to in sub-section (2) of section 3 to be certified by a registered medical practitioner or practitioners concerned, in such form and at such time as may be specified in such regulations, and the preservation or disposal of such certificates;

(*b*) require any registered medical practitioner, who terminates a pregnancy, to give intimation of such termination and such other information relating to the termination as may be specified in such regulations;

(*c*) prohibit the disclosure, except to such persons and for such purposes as may be specified in such regulations, of intimations given or information furnished in pursuance of such regulations.

(2) The intimation given and the information furnished in pursuance of regulations made by virtue of clause (*b*) of sub-section (1) shall be given or furnished, as the case may be, to the Chief Medical Officer of the State.

[1][(2-A) Every regulation made by the State Government under this Act shall be liable be laid as soon as may be after it is made, before the state Legislature.]

(3) Any person who wilfully contravenes or wilfully fails to comply with the requirements of any regulation made under sub-section (1) shall be liable to be punished with fine which may extend to one thousand rupees.

8. Protection of action taken in good faith.—No suit or other legal proceedings shall lie against any registered medical practitioner for any damage caused or likely to be caused by anything which is in good faith done or intended to be done under this Act.

SYNOPSIS

1. Scope of.....124

2. Termination of Pregnancy.....124

1. Scope of.—Where there is no allegation to lack of good faith the Medical Officer is protected under Section 8.[2]

2. Termination of Pregnancy.—Doctor is not to be treated as guilty of offence under Section 314 of IPC or any other law for the time being in force.[3]

---

1 Inserted by Act 4 of 2005 (*w.e.f.* 11.1.2005).

2 *Asha Rawal* v. *Basant Lal*, 1985 Cri LJ 1026 (Del).

3 *Usha* v. *State*, 2007(2) Crimes 595 (Del).

Scanned with OKEN Scanner

MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY REGULATIONS, 2003[1]

In exercise of powers conferred by section 7 of the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971), the Central Government hereby makes the following regulations, namely—

1. Short title, extent and commencement.—(1) These regulations may be called THE MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY REGULATIONS, 2003.

(2) They extend to all the Union territories.

(3) They shall come into force on the date[2] of their publication in the *Official Gazette*.

2. Definitions.—In these regulations, unless the context otherwise requires—

(*a*) "*Act*" means the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971).

(*b*) "*Admission Register*" means the register maintained under regulation 5;

(*c*) "*Chief Medical Officer*" means the Chief Medical Officer of a District by whatever name called.

(*d*) "*Form*" means a form appended to these regulations;

(*e*) "*Hospital*" means a hospital established or maintained by the Central Government or the Government of Union territory;

(*f*) "*section*" means a section of the Act.

3. Form of certifying opinion or opinions.—(1) Where one registered medical practitioner forms or not less than two registered medical practitioners form such opinion as is referred to in sub section (2) of section 3 or 5, he or she shall certify such opinion in Form 1.

(2) Every registered medical practitioner who terminates any pregnancy shall, within three hours from the termination of the pregnancy certify such termination in Form I.

4. Custody of forms.—(1) The consent given by a pregnant woman for the termination of her pregnancy, together with the certified opinion recorded under section 3 or section 5, as the case may be and the intimation of termination of pregnancy shall be placed in an envelope which shall be sealed by the registered medical practitioner or practitioners by whom such termination of pregnancy

1 *Vide* G.S.R. 486(E), dated 13.6.2003, published in the Gazette of India, Extra., Pt. II, Sec. 3(*i*), dated 13.6.2003.

2 Came into force on 13.6.2003.

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

was performed and until that envelope is sent to the head of the hospital or owner of the approved place or the Chief Medical Officer of the State, it shall be kept in the safe custody of the concerned registered medical practitioner or practitioners, as the case may be.

(2) On every envelope referred to in sub-regulation (1), pertaining to the termination of pregnancy under section 3, there shall be noted the serial number assigned to the pregnant woman in the Admission Register and the name of the registered medical practitioner or practitioners by whom the pregnancy was terminated and such envelope shall be marked "SECRET".

(3) Every envelope referred to in sub-regulation (2) shall be sent immediately after the termination of the pregnancy to the head of the hospital or owner of the approved place where the pregnancy was terminated.

(4) On receipt of the envelope referred to in sub-regulation (3), the head of the hospital or owner of the approved place shall arrange to keep the same in safe custody.

(5) Every head of the hospital or owner of the approved place shall send to the Chief Medical Officer of the State, in Form II a monthly statement of cases where medical termination of pregnancy has been done.

(6) On every envelope referred to in sub-regulation (1), pertaining to the termination of pregnancy under section 5, there shall be noted the name and address of the registered medical practitioner by whom the pregnancy was terminated and the date on which the pregnancy was terminated and such envelope shall be marked "SECRET".

Explanation.—The columns pertaining to the hospital or approved place and the serial number assigned to the pregnant woman in the Admission Register shall be left blank in Form I in the case of termination performed under section 5.

(7) Where the Pregnancy is not terminated in an approved place or hospital, every envelope referred to in sub-regulation (6) shall be sent by registered post to the Chief Medical Officer of the State on the same day on which the pregnancy was terminated or on the next working day following the day on which the pregnancy was terminated:

Provided that where the pregnancy is terminated in an approved place or hospital, the procedure provided in sub-regulations (1) to (6) shall be followed.

5. **Maintenance of Admission Register.**—(1) Every head of the hospital or owner of the approved place shall maintain a register in form III for recording therein the details of the admissions of women for the termination of their pregnancies and keep such register for a period of five years from the end of the calendar year it relates to.

(2) The entries in the Admission Register shall be made serially and a fresh serial shall be started at the commencement of each calendar year and the serial number of the particular year shall be distinguished from the serial number of other years by mentioning the year against the serial number, for example, serial number 5 of 1972 and serial number 5 of 1973 shall be mentioned as 5/1972 and 5/1973.

(3) Admission Register shall be a secret document and the information contained therein as to the name and other particulars of the pregnant woman shall not be disclosed to any person.

6. **Admission Register not to be open to inspection.**—The Admission Register shall be kept in the safe custody of the head of the hospital or owner of the approved place, or by any person authorized by such head or owner and save as otherwise provided in sub-regulation (5) of regulation 4 shall not be open for inspection by any person except under the authority of law—

Provided that the registered medical practitioner on the application of an employed woman whose pregnancy has been terminated, grant a certificate for the purpose of enabling her to obtain leave from her employer;

Provided further that any such employer shall not disclose this information to any other person.

7. **Entries in registers maintained in hospital or approved place.**—No entry shall be made in any case-sheet, operation theater register, follow-up card or any other document or register other than the admission Register maintained at any hospital or approved place indicating therein the name of the pregnant woman and reference to the-pregnant woman shall be made therein by the serial number assigned to the woman in the Admission Register.

FORM I

[*See* Regulation 3]

I _____ (*Name and qualifications of the Registered Medical practitioner in block letters*)

_____ (*Full address of the Registered Medical Practitioner*)

I _____ (*Name and qualifications of the Registered Medical practitioner in block letters*)

_____ (*Full address of the Registered Medical practitioner*) hereby certify that *I/We am/ are of opinion, formed in good faith, that it is necessary to terminate the pregnancy of _____ _____ (*Full name of pregnant women in block letters*) resident of _____ (*Full address of pregnant women in block letters*) for the reasons given below**.

* I/We hereby give intimation that *I/We terminated the pregnancy of the woman referred to above who bears the serial no. _____ in the Admission Register of the hospital/approved place.

Place _____ Signature of the registered Medical Practitioner

Date _____ Signature of the registered Medical Practitioners

Strike out whichever is not applicable—

** of the reasons specified items (*i*) to (*v*) write the one which is appropriate—

(*i*) in order to save the life of the pregnant women,

(*ii*) in order to prevent grave injury to the physical and mental health of the pregnant women,

(*iii*) in view of the substantial risk that if the child was born it would suffer from such physical or mental abnormalities as to be seriously handicapped,

(*iv*) as the pregnancy is alleged by pregnant women to have been caused by rape,

(*v*) as the pregnancy has occurred as result of failure of any contraceptive device or methods used by married woman or her husband for the purpose of limiting the number of children

Note.—Account may be taken of the pregnant women's actual or reasonably foreseeable environment in determining whether the continuance of her pregnancy would involve a grave injury to her physical or mental health.

Place _____ Signature(s) of the Registered Medical Practitioner/Practitioners

Date _____

Scanned with OKEN Scanner

Scanned with OKEN Scanner

FORM II

[*See* Regulation 4(5)]

1. Name of the State
2. Name of the Hospital/approved place
3. Duration of pregnancy (*give total No. only*)
   (*a*) Up to 12 weeks.
   (*b*) Between 12-20 weeks
4. Religion of woman
   (*a*) Hindu
   (*b*) Muslim
   (*c*) Christian
   (*d*) Others
   (*e*) Total
5. Termination with acceptance of contraception.
   (*a*) Sterlisation.
   (*b*) I.U.D.
6. Reasons for termination :
   (*give total number under each sub-head*)
   (*a*) Danger to life of the pregnant woman.
   (*b*) Grave injury to the physical health of the pregnant woman.
   (*c*) Grave injury to the mental health of the pregnant woman.
   (*d*) Pregnancy cause by rape.
   (*e*) Substantial risk that if the child was born, it would suffer from such physical or mental abnormalities as to be seriously handicapped.
   (*f*) Failure of any contraceptive device or method.

Signature of the Officer Incharge with Date

FORM III

[*See* Regulation 5]

ADMISSION REGISTER

(*To be destroyed on the expiry of five years from the dated of the last entry in the Register*)

1	2	3	4	5	6	7
S. No.	*Date of Admission*	*Name of the patient*	*Wife/ Daughter of*	*Age*	*Religion*	*Address*

8	9	10	11	12	13	14
Duration of Pregnancy	*Reasons on which Pregnancy is terminated*	*Date of termination of pregnancy*	*Date of discharge of patient*	*Result and Remarks*	*Name of Registered Medical Practitioner(s) by whom the opinion is formed*	*Name of Registered Medical Practitioner(s) by whom Pregnancy is terminated*

MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY RULES, 1975

In exercise of the powers conferred by section 6 of the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules namely—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called THE MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY RULES, 1975.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the *Official Gazette*.

2. **Definitions.**—

(*a*) "*Act*" means the Medical Termination of Pregnancy Act 1971, (4 of 1971).

(*b*) "*Chief Medical Officer of the District*" means the Chief Medical Officer of a District, by whatever name called;

(*c*) "*Form*" means a form appended to these rules;

(*d*) "*Owner*" in relation to a place, means any person who is the administrative head or otherwise responsible for the working or maintenance of such hospital or clinic, by whatever name called;

(*e*) "*Place*" means such building tent, vehicle or vassel or part thereof as is used for the establishment or maintenance therein of a hospital or clinic which is used or intended to be used for the termination of any pregnancy;

(*f*) "*Section*" means a Section of the Act.

3. **Experience of training, etc.**—For the purpose of clause (*d*) of section 2, a registered medical practitioner shall have one or more of the following experience of training in Gynecology and obstetrics namely—

(*a*) in the case of a medical practitioner who was registered in a State Medical Register immediately before the commencement of the Act, experience in the practice of gynaecology and obstetrics for a period of not less than three years;

(*b*) in the case of a Medical Practitioner who was registered in a State Medical Register on or after the date of commencement—

(*i*) if he has completed six months of house surgery in Gynecology and obstetrics ; or

(*ii*) where he has not done any such house surgery if he had experienced at any hospital for a period of not less than one year in the practice of obstetrics and gynecology or,

Scanned with OKEN Scanner

(*iii*) if he has assisted a registered Medical practitioner in the performance of twenty five cases of Medical termination of pregnancy in a hospital established or maintained or a training institute approved for this purpose by the Government.

(*c*) in the case of a medical practitioner who has been registered in a state medical Register and who holds a post graduate degree or diploma in gynecology and obstetrics, the experience of training gained during the course of such degree or diploma.

4. Approval of a place.—(1) No place shall be approved under clause (*b*) of section 4—

(*i*) Unless the Government is satisfied that termination of pregnancies may be done there in under safe and hygienic conditions; and

(*ii*) Unless the following facilities are provided therein namely—

(*a*) an operation table and instrument for performing abdominal or gynecological surgery;

(*b*) anesthetic equipment resuscitation equipment and sterilisation equipment:

(*c*) drugs and parenteral fluids for emergency use.

(2) Every application for the approval of a place shall be in a form A and shall be addressed to the Chief Medical Officer of the District.

(3) On receipt of an application referred to in sub-rule (2) the chief Medical Officer of the District shall verify or enquire any information contained in any such application or inspect any such place with a view to satisfying himself that the facilities referred to in sub-rule (1) are provided therein and that termination of pregnancies may be made therein under safe and hygienic conditions.

(4) Every owner of the place which is inspected by the Chief Medical Officer of the District shall afford all reasonable facilities for the inspection of the place.

(5) The Chief Medical Officer of the District may, if he is satisfied after such verification enquiry or inspection as may be considered necessary that termination of pregnancies may be done under safe and hygienic conditions at the place recommend the approval of such place to the Government.

(6) The Government may after considering the application and the recommendation of the Chief Medical Officer of the District approve such place and issue a certificate of approval in Form B.

(7) The Certificate of approval issued by the Government shall be conspicuously displayed at the place to be easily visible to persons visiting the place.

5. Inspection of the place.—(1) A place approved under rule 4 may be inspected by the Chief Medical Officer of the District as often as may be necessary with a view to verify whether termination of pregnancies is being done therein under safe and hygienic conditions.

(2) If the Chief Medical Officer has reason to believe that there has been death of or injury to a pregnant woman at the place or that termination of pregnancies is not being done at the place under safe and hygienic conditions,

Scanned with OKEN Scanner

he may call for any information or may seize any article, medicine, ampule, admission register of other document, maintained, kept or found at the place.

(3) The provisions of the Code of Criminal procedure, 1973 (2 of 1974) relating to seizure shall, so far as may be apply to seizures made under sub-rule (2).

6. **Cancellation or suspension of certificate of approval.**—(1) If, after inspection of any place approved under rule 4, the Chief Medical Officer of the District is satisfied that facilities specified in rule 4 are not being properly maintained therein and the termination of pregnancy at such place cannot be made under safe and hygienic conditions, he shall make a report of the facts to the Government giving the details of the deficiencies or defects found at the place. On receipt of such report the Government my after giving the owner of the place a reasonable opportunity of being heard, either cancel the certificate of approval or suspend the same for such period as it may think fit.

(2) Where a certificate issued under rule 4 is cancelled or suspended the owner of the place may make such additions or improvements in the place as he may think fit and thereafter, he may make an application to the Government for the issue to him of a fresh certificate of approval under the rule 4 or as the case may be for the revival of the certificate which was suspended under sub-rule (1).

(3) The provisions of rule 4 shall as far as may apply to an application for the issue of a fresh certificate of approval in relation to a place or as the case may be for the revival of a suspended certificate as they apply to an application for the issue of a certificate of approval under that rule.

(4) In the event of suspension of a certificate of approval the place shall not be deemed to be an approved place for the purposes of termination of pregnancy from the date of communication of the order of such suspension.

7. **Review.**—(1) The owner of a place who is aggrieved by an order made under rule 6 may make an application for review of the order to the Government within a period of sixty days from the date of such order.

(2) The Government may after giving the owner an opportunity of being heard, confirm, modify or reverse the order.

8. **Form of consent.**—The Consent referred to in sub-section (4) of section 3 shall be given in Form C.

9. **Repeal and saving.**—The Medical Termination of Pregnancy Rules 1972 are hereby repealed except as respects things done or omitted to be done before such repeal.

FORM A

[*See* sub-rule (2) or rule 4]

Form of application for the approval of a place under clause (b) of section 4

1. Name of the Place (*in capital letters*) _____
2. Address in full _____
3. Non Government/Private/Nursing Home Other Institutions* _____
4. State if the following facilities are available at the place—
   (*i*) An operation for performing abdominal or gynecological surgery _____
   (*ii*) Drugs and parental fluid in sufficient supply for emergency case _____
   (*iii*) Anesthetic equipment resuscitation equipment and sterilisation equipment _____

Scanned with OKEN Scanner

Signature of the owner of the Place.

Place _____
Date _____

*Strike out whichever is not applicable.

FORM B

[*See* sub-rule (6) or rule 4]

Certificate of Approval

The Place described below is hereby approved for the purpose of the Medical Terminations of Pregnancy Act 1971 (34 of 1971).

Name of the Place	*Address and other descriptions*	*Name of owner*

Place _____
Date _____
to the Government of the_____

FORM C

[*See* rule 8]

I _____ daughter / wife of _____ aged about _____ years of _____ (*here state the permanent address*) at present residing at _____ do hereby give my consent to the termination of my pregnancy at _____.

(*State the name of place where the pregnancy is to be terminated*)
Place _____
Date _____

Signature

(*To be filled by guardian where the woman is lunatic or minor*)

I _____ Son / daughter / wife of _____ aged about _____ years if do hereby give my consent to the termination of the pregnancy of my ward _____ who is minor / lunatic at _____.

(*Place of termination of pregnancy*)
Place _____.
Date _____

Scanned with OKEN Scanner

MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY RULES, 2003[1]

In exercise of powers conferred by section 6 of the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971), the Central Government hereby makes the following rules, namely—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called THE MEDICAL TERMINATION OF PREGNANCY RULES, 2003.

(2) They shall come into force on the date[2] of their publication in the *Official Gazette*.

2. Definitions.—In this rules, unless the context otherwise requires—

(*a*) *"Act"* means the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971).

(*b*) *"Chief Medical Officer"* means the Chief Medical Officer of a District, by whatever name called;

(*c*) *"Form"* means a form appended to these rules;

(*d*) *"owner"* in relation to a place means any person who is the administrative head or otherwise responsible for the working or maintenance of a hospital or place, by whatever name called, where the pregnancy may be terminated under this Act.

(*e*) *"Committee"* means a committee constituted at the district level under the proviso to clause (*b*) of section 4 read with rule 3.

[3][(*f*) *"Medical Board"* means the Medical Board constituted under sub-section (2C) of section 3 of the Act.]

3. Composition and tenure of District level Committee.—(1) One member of the district level Committee shall be the Gynecologist/Surgeon/Anesthetist and other members from the local medical profession, non-governmental organizations, and Panchayati Raj Institution of the district.

Provided that one of the members of the Committee shall be a woman.

(2) Tenure of the committee shall be for two calendar years and the tenure of the non-Government members shall not be more than two terms.

[4][**3A. Powers and functions of Medical Board.**—For the purposes of section 3—

1 *Vide* G.S.R. 485(E) dated 13.6.2003, published in the Gazette of India, Extra., Pt. II, Sec. 3(*i*) dated 13.6.2003.
2 Came into force on 13.6.2003.
3 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).
4 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

(*a*) the powers of the Medical Board shall be the following, namely—

(*i*) to allow or deny termination of pregnancy beyond twenty-four weeks of gestation period under sub-section (2B) of the said section only after due consideration and ensuring that the procedure would be safe for the woman at that gestation age and whether the foetal malformation has substantial risk of it being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped;

(*ii*) co-opt other specialists in the Board and ask for any additional investigations if required, for deciding on the termination of pregnancy;

(*b*) the functions of the Medical Board shall be the following, namely—

(*i*) to examine the woman and her reports, who may approach for medical termination of pregnancy under sub-section (2B) of section 3;

(*ii*) provide the opinion of Medical Board in Form D with regard to the termination of pregnancy or rejection of request for termination within three days of receiving the request for medical termination of pregnancy under sub-section (2B) of section 3;

(*iii*) to ensure that the termination procedure, when advised by the Medical Board, is carried out with all safety precautions along with appropriate counselling within five days of the receipt of the request for medical termination of pregnancy under sub-section (2B) of section 3.

3B. Women eligible for termination of pregnancy up to twenty-four weeks.—The following categories of women shall be considered eligible for termination of pregnancy under clause (*b*) of sub-section (2) Section 3 of the Act, for a period of up to twenty-four weeks, namely—

(*a*) survivors of sexual assault or rape or incest;

(*b*) minors;

(*c*) change of marital status during the ongoing pregnancy (widowhood and divorce);

(*d*) women with physical disabilities [major disability as per criteria laid down under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016)];

(*e*) mentally ill women including [1][women with intellectual disability];

(*f*) the foetal malformation that has substantial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped; and

(*g*) women with pregnancy in humanitarian settings or disaster or emergency situations as may be declared by the Government.]

4. Experience and training under clause (*d*) of section 2.—For the purpose of clause (*d*) of section (2), a registered medical practitioner shall have one or more of the following experience or training in gynecology and obstetrics, namely—

1 Substituted by G.S.R. 332(E), dated 10.6.2024 for "mental retardation" (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

(*a*) in the case of a medical practitioner, who was registered in a State Medical Register immediately before the commencement of the Act, experience in the practice of gynecology and obstetrics for a period of not less than three years;

(*b*) in the case of a medical practitioner, who is registered in a State Medical Register—

(*i*) if he has completed six months of house surgency in gynecology and obstetrics; or

(*ii*) unless the following facilities are provided therein, if he had experience at any hospital for a period of not less than one year in the practice of obstetrics and gynecology ; or

(*c*) if he has assisted a registered medical practitioner in the performance of twenty-five cases of medical termination of pregnancy of which at least five have been performed independently, in a hospital established or maintained, or a training institute approved for this purpose by the Government—

(*i*) This training would enable the Registered Medical Practitioner (RMP) to do only 1st Trimester terminations (up to 12 weeks of gestation).

(*ii*) For terminations up to [1][twenty-four weeks] the experience or training as prescribed under sub-rules (*a*), (*b*) and (*d*) shall apply.

[2][(*ca*) A Registered Medical Practitioner shall have the following experience and training for conducting termination of pregnancy upto nine weeks of gestation period by medical methods of abortion, namely—

(*i*) experience at any hospital for a period of not less than three months in the practice of obstetrics and gynaecology; or

(*ii*) has independently performed ten cases of pregnancy termination by medical methods of abortion under the supervision of a Registered Medical Practitioner in a hospital established or maintained, or a training institute approved for this purpose, by the Government.]

(*d*) in case of a medical practitioner who has been registered in a State Medical Register and who holds a port-graduate degree or diploma in gynecology and obstetrics, the experience or training gained during the course of such degree or diploma.

[3][**4A.** (1) For the purposes of sub-section (2A) of section 3 of the Act, the opinion of Registered Medical Practitioner which is required for termination of pregnancy at different gestation ages shall be the following, namely—

(*a*) till nine weeks of gestation period, by Medical Methods of Abortion: Registered Medical Practitioner eligible under clauses (*a*), (*b*), (*c*), (*ca*) and (*d*) of rule 4;

---

1 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "twenty weeks" (*w.e.f.* 12.10.2021).
2 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).
3 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

(*b*) till twelve weeks of gestation period, by surgical method: Registered Medical Practitioner eligible under clauses (*a*), (*b*), (*c*) and (*d*) of rule 4;

(c) beyond twelve weeks till twenty weeks of gestation period: Registered Medical Practitioner eligible under clauses (*a*), (*b*) and (*d*) of rule 4;

(2) For the purposes of sub-section (2A) of section 3 of the Act, the opinion of two Registered Medical Practitioners eligible under clauses (*a*), (*b*) and (*d*) of rule 4, which is required for termination of pregnancy beyond twenty weeks till twenty-four weeks of gestation period, shall be in Form E.

(3) For the purposes of sub-secion (2B) of section 3, the opinion for medical termination of pregnancy beyond twenty-four weeks gestation period: Shall be given by a Medical Board duly constituted by the respective State Government or Union territory Administration at approved facilities and two Registered Medical Practitioners eligible under clauses (*a*), (*b*) and (*d*) of rule 4, shall perform the termination of pregnancy based on the decision of such Medical Board.]

5. Approval of a place.—(1) No place shall be approved under clause (*b*) of section 4—

(*i*) Unless the Government is satisfied that termination of pregnancies may be done therein under safe and hygienic conditions; and

(*ii*) Unless the following facilities are provided therein, namely—

in case of first trimester, that is, up to 12 weeks of pregnancy—

a gynecology examination/labour table, resuscitation and sterilization equipment, drugs and parental fluid, back up facilities for treatment of shock and facilities [1][for transportation;]

in case of second trimester, that is up to [2][twenty-four weeks] of pregnancy—

(*a*) an operation table and instruments for performing abdominal or gynaecological surgery;

(*b*) anaesthetic equipment, resuscitation equipment and sterilization equipment;

(*c*) drugs and parental fluids for emergency use, notified by [3][the Central Government from time to time; and]

[4][in case of termination beyond twenty-four weeks of pregnancy—

(*a*) an operation table and instruments for performing abdominal or gynaecological surgery;

(*b*) anaesthetic equipment, resuscitation equipment and sterilisation equipment;

(*c*) availability of drugs, parental fluids and blood for emergency use, as may be notified by the Central Government from time to time; and

(*d*) facilities for procedure under ultrasound guidance.]

1 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "20 weeks" (*w.e.f.* 12.10.2021).
2 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "for transportation; and" (*w.e.f.* 12.10.2021).
3 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "Government for India from time to time." (*w.e.f.* 12.10.2021).
4 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

Explanation.—In the case of termination of early pregnancy up to [1][nine weeks] using RU-486 with Misoprostol, the same may be prescribed by a Registered Medical Practitioner (RMP) as defined under clause (*d*) of section 2 of the Act and section 4 of MTP Rules, at his clinic, provided such a Registered Medical Practitioner has access to a place approved under Section 4 of the MTP Act, 1971 read with MTP Amendment Act, 2002 and Rules 5 of the MTP Rules. For the purpose of access, the RMP should display a Certificate to this effect from the owner of the approved place.

(2) Every application for the approval of a place shall be in a Form A and shall be addressed to the Chief Medical Officer of the District.

(3) On receipt of an application under sub-rule (2), the Chief Medical Officer of the District may verify any information contained, in any such application or inspect any such place with a view to satisfying himself that the facilities referred to in sub-rule (1) are provided, and that termination of pregnancies may be made under safe and hygienic conditions.

(4) Every owner of the place which is inspected by the Chief Medical Officer of the District shall afford all reasonable facilities for the inspection of the place.

(5) The Chief Medical Officer of the District may, if he is satisfied after such verification, enquiry or inspection, as may be considered necessary, that termination of pregnancies may be done under safe and hygienic conditions, at the place, recommend the approval of such place to the Committee.

(6) The Committee may after considering the application and the recommendations of the Chief Medical Officer of the District approve such place and issue a certificate of approval in Form B.

(7) The certificate of approval issued by the Committee shall be conspicuously displaced at the place to be easily visible to persons visiting the place.

(8) The place shall be inspected within 2 months of receiving the application and certificate of approval may be issued within the next 2 months, or in case any deficiency has been noted, within 2 months of the deficiency having been rectified by the applicant.

(9) On the commencement of these rules, a place approved in accordance with the Medical Termination of Pregnancy Rules, 1975 shall be deemed to have been approved under these rules.

6. Inspection of a place.—(1) A place approved under rule 5 may be inspected by the Chief Medical Officer of the District, as often as may be necessary with a view to verify whether termination of pregnancies is being done therein under safe and, hygienic conditions.

(2) If the Chief Medical Officer has reason to believe that there has been death of, or injury to, a pregnant woman at the place or that termination of pregnancies is not being done at the place under safe and hygienic conditions, he may call for any information or may seize any article, medicine, ampoule, admission register or other document, maintained, kept or found at the place.

---

1 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "seven weeks" (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

(3) The provisions of the Code of Criminal Procedure, 1973 (2 of 1974), relating to seizure, so far as it may, apply to seizure made under sub-rule (2).

7. Cancellation or suspension of certificate of approval.—(1) If, after inspection of any place approved under rule 5, the Chief medical Officer of the District is satisfied that the facilities specified in rule 5 are not being properly maintained therein and the termination of pregnancy at such place cannot be made under safe and hygienic conditions, he shall make a report of the fact to the Committee giving the detail of the deficiencies or defects found at the place and the committee may, if it is satisfied, suspend or cancel the approval provided that the committee shall give an opportunity of making representation to the owner of the place before the certificate issued under rule 5 is cancelled.

(2) Where a certificate issued under rule 5 is cancelled, the owner of the place may make such additions or improvements in the place and there after, he may make an application to the Committee for grant of approval under Rule 5.

(3) In the event of suspension of a certificate, of approval, the place shall not be deemed to be an approved place during the suspension for the purposes of termination of pregnancy from the date of communication of the order of such suspension.

8. Review.—(1) The owner of a place, who is aggrieved by an order made under rule 7, may make an application for review of the order to the Government within a period of sixty days from the date of such order:

Provided that the Government may condone any delay in case it is satisfied that applicant was prevented by sufficient cause to make application within time.

(2) The Government may, after giving the owner an opportunity of being heard, confirm, modify or reverse the order.

9. Form of consent.—The consent referred to in sub-section (4) of section 3 shall be given in Form C.

10. Repeal and saving.—The Medical Termination of Pregnancy Rules, 1975, are hereby repealed except as respects things done or omitted to be done before such repeal.

[1][FORM A

[*See* sub-rule (2) of rule 5]

FORM OF APPLICATION FOR THE APPROVAL OF A PLACE UNDER CLAUSE (E) OF SECTION 4 OF THE ACT

Category of approved place—

A. Pregnancy can be terminated upto twelve weeks
B. Pregnancy can be terminated upto twenty-four weeks

1. Name of the place (*in capital letters*)
2. Address in full
3. Non-Government/Private/Nursing Home/Other Institutions
4. State, if the following facilities are available at the place

Category A

(*i*) Gynaecological examination or labour table.
(*ii*) Resuscitation equipment.
(*iii*) Sterilisation equipment.

---

1 Substituted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 for "Form A" (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

(*iv*) Facilities for treatment of shock, including emergency drugs.
(*v*) Facilities for transportations, if required.

Category B

(*i*) An operation table and instruments for performing abdominal or gynaecological surgery.
(*ii*) Drugs and parental fluids in sufficient supply for emergency cases.
(*iii*) Anaesthetic equipment, resuscitation equipment and sterilization equipment.

Place _____
Date _____

Signature of the owner of the place.]

FORM B

(*See sub-rule (6) of rule 5*)

CERTIFICATE OF APPROVAL

The place described below is Hereby approved for the purpose of the Medical termination of Pregnancy Act, 1971 (34 of 1971).

AS READ WITHIN UPTO _____ WEEKS

Name of the Place _____
Address and other descriptions _____
Name of the owner _____

Place _____
Date _____

To the Government of the _____

FORM C

(*See* rule 9)

I _____ daughter/wife of _____ aged about _____ years of _____ at present residing at _____. (*here state the permanent address*) do hereby give my consent to the termination of my pregnancy at _____ (*State the name of place where the pregnancy is to be terminated*)

Place _____
Date _____

Signature

(*To be filled in by guardian where the woman is a mentally ill person or minor*)

I _____ son/daughter/wife of _____ aged about _____ years of _____ at present residing at (*permanent address*) _____ do hereby give my consent to the termination of the pregnancy of my ward _____ who is a minor/lunatic at _____ (*place of termination of my pregnancy*).

Place _____
Date _____

Signature

[1][FORM D

[*See* sub-clause (*ii*) of clause (*b*) of rule 3A]

REPORT OF THE MEDICAL BOARD FOR PREGNANCY TERMINATION BEYOND 24 WEEKS

Details of the woman seeking termination of pregnancy—

1. Name of the woman
2. Age:

1 Inserted by G.S.R. 730(E), dated 12.10.2021 (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

3. Registration/Case Number:
4. Available reports and investigations:

S.No	Report	Opinion on the findings

5. Additional Investigations (*if done*) :

S.No	Investigations done	Key findings

6. Opinion by Medical Board for termination of pregnancy:
   (*a*) Allowed
   (*b*) Denied

   Justification for the decision:
7. Physical fitness of the woman for the termination of pregnancy:
   (*a*) Yes
   (*b*) No

Members of the Medical Board who reviewed the case:

S.No	Name	Signature

Date and Time : _____

FORM E

Opinion Form of Registered Medical Practitioners

(For gestation age beyond twenty weeks till twenty-four weeks)

[*See* sub-rule (2) of rule 4A]

I _____

(Name and qualifications of the Registered Medical Practitioner in block letters)

_____

(Full address of the Registered Medical Practitioner)

I _____

(Name and qualifications of the Registered Medical Practitioner in block letters)

_____

(Full address of the Registered Medical Practitioner)

hereby certify that we are of opinion, formed in good faith, that it is necessary to terminate the pregnancy of _____

(Full name of pregnant woman in block letters)

resident of _____

(Full address of pregnant woman in block letters)

which is beyond twenty weeks but till twenty-four weeks under special circumstances as given below*.

*Specify the circumstance(s) from (*a*) to (*g*) appropriate for termination of pregnancy beyond twenty weeks till twenty-four weeks :

Scanned with OKEN Scanner

(*a*) Survivors of sexual assault or rape or incest

(*b*) Minors

(*c*) Change of marital status during the ongoing pregnancy (*widowhood and divorce*)

(*d*) Women with physical disabilities [major disability as per criteria laid down under the Rights of Persons with Disabilities Act, 2016 (49 of 2016)]

(*e*) Mentally ill women including [1][women with intellectual disability]

(*f*) The foetal malformation that has substantial risk of being incompatible with life or if the child is born it may suffer from such physical or mental abnormalities to be seriously handicapped

(*g*) Women with pregnancy in humanitarian settings or disaster or emergency situations as declared by Government

We hear by give intimation that we terminated the pregnancy of the woman referred to above who bears the Serial No. _____ in the Admission Register of the hospital / approved place.

Signature of the Registered Medical Practitioner

Place :

Date :

Note.—Account may be taken of the pregnant woman's actual or reasonably foreseeable environment in determining whether the continuance of her pregnancy would involve a grave injury to her physical or mental health.]

---

1 Substituted by G.S.R. 332(E), dated 10.6.2024 for "mental retardation" (*w.e.f.* 12.10.2021).

Scanned with OKEN Scanner

उत्तर प्रदेश शासन
चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–1
लखनऊ : दिनांक :10 अगस्त, 2022

कार्यालय–ज्ञाप

मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा–निर्देशो के अनुपालन में चिकित्सकीय समापन हेतु भारत सरकार द्वारा किये गये अनुरोध के क्रम में महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या–एम0ई0–1/2020/4161, दिनांक 22.12.2020 द्वारा की गयी संस्तुति पर सम्यक विचारोपरान्त चिकित्सा शिक्षा अनुभाग–1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या–90/71–1–2021– यू0ओ0–68/2019, दिनांक 08 जनवरी, 2021 द्वारा राज्य स्तर पर 20 सप्ताह से उपर के गर्भ के चिकित्सकीय समापन हेतु निम्न विवरणानुसार स्थायी मेडिकल बोर्ड का गठन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गयी हैः–

क्र0स0	पदनाम	प्रास्थिति
1.	विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।	अध्यक्ष
2.	विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।	सदस्य
3.	विभागाध्यक्ष, रेडियोलॉजी विभाग, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।	सदस्य
4.	विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी विभाग, एस0जी0पी0जी0आई0, लखनऊ।	सदस्य
5.	विभागाध्यक्ष, न्यूरोलोजी, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ।	सदस्य
6.	विभागाध्यक्ष, साइक्रियाट्री, के0जी0एम0यू0 लखनऊ द्वारा नामित साइक्रियाट्री	सदस्य काउंसलर
7.	चिकित्सा अधीक्षक, के0जी0एम0यू0, लखनऊ (प्रतिनिधि हास्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन)	सदस्य सचिव
8.	विभागाध्यक्ष, जेनेटिक्स, एस0जी0पी0आई0 लखनऊ	सदस्य

2— उपर्युक्तानुसार गठित स्थायी मेडिकल बोर्ड द्वारा निम्न शर्तों/प्रतिबन्धों के अधीन कार्यवाही की जायेगीः—

1. यदि अपरिहार्य कारण वश विभागाध्यक्ष उपलब्ध नही होते है तो इनके द्वारा प्रतिस्थानी के रूप में वरिष्ठ अधिकारी को नामित किया जायेगा।
2. मेडिकल बोर्ड में कम से कम एक महिला सदस्य का होना आवश्यक है। इस हेतु विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी द्वारा कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी।
3. मा0 उच्चतम न्यायालय/उच्च न्यायालय/जिला न्यायालय से आदेश प्राप्त होने पर तत्काल मेडिकल बोर्ड की बैठक सम्पन्न की जायेगी।
4. मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी किये गये दिशा निर्देशानुसार व उपलब्ध कराये गये प्रारूप पर ही बोर्ड द्वारा रिपोर्ट प्रेषित की जायेगी।
5. मा0 न्यायालय को रिपोर्ट उपलब्ध कराने का कार्य चिकित्सालय प्रशासन द्वारा नामित सदस्य द्वारा सम्पादित किया जायेगा।

3— उक्त के परिप्रेक्ष्य में महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ के पत्र संख्या—एम0ई0—1/2022/1968, दिनांक 09.06.2022 द्वारा अवगत कराया गया है कि मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मत्रालय, भारत सरकार को 24 सप्ताह से अधिक अवधि के गर्भ के चिकित्सकीय समापन हेतु स्थायी मेडिकल बोर्ड के गठन हेतु आदेशित किया गया है। उक्त स्थिति के दृष्टिगत गर्भ के समापन की सीमा को 20 सप्ताह से बढ़ाकर 24 सप्ताह का संशोधन करते हुए स्थायी मेडिकल बोर्ड के गठन की संस्तुति की गयी है।

4— अतएवं चिकित्सा शिक्षा अनुभाग—1 के कार्यालय ज्ञाप संख्या—90/71—1—2021—यू0ओ0—68/2019, दिनांक 08 जनवरी, 2021 के प्रस्तर—1 में ''20 सप्ताह से उपर के गर्भ के चिकित्सकीय समापन'' के स्थान पर ''24 सप्ताह से उपर के गर्भ के चिकित्सकीय समापन'' की स्वीकृति एतद्द्वारा श्री राज्यपाल प्रदान करते है। शेष शर्ते एवं प्रतिबन्ध यथावत लागू रहेंगे।

Signed by आलोक कुमार
Date: 06-08-2022 14:11:09
Reason: Approved

(आलोक कुमार)
प्रमुख सचिव।

संख्या– तद्दिनांक।

प्रतिलिपि, निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषितः–

1– अपर मुख्य सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, उ0प्र0 लखनऊ।
2– महानिदेशक, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उ0प्र0 लखनऊ।
3– महानिदेशक, चिकित्सा शिक्षा एवं प्रशिक्षण, उ0प्र0 लखनऊ।
4– मिशन निदेशक, एन0एच0एम0, लखनऊ।
5– समस्त मण्डलायुक्त।
6– समस्त जिलाधिकारी।
7– विभागाध्यक्ष, आब्स एण्ड गायनी, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।
8– विभागाध्यक्ष, बाल रोग विभाग, के0जी0एम0यू0ल0 लखनऊ।
9– विभागाध्यक्ष, रेडियोलॉजी, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ।
10– विभागाध्यक्ष, कार्डियोलॉजी, एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ।
11– विभागाध्यक्ष, न्यूरोलॉजी, डा0 राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान, लखनऊ।
12– विभागाध्यक्ष, साइकियाट्री, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।
13– चिकित्सा अधीक्षक, के0जी0एम0यू0 लखनऊ।
14– विभागाध्यक्ष, जेनेटिक्स, एस0जी0पी0जी0आई0 लखनऊ।
15– गार्ड फाइल।

आज्ञा से

(एस0 पी0 सिंह)
अनु सचिव।

Annexure No. PA-1 अनुलग्नक-1

5-

Court No. - 21

Case :- WRIT - C No. - 28317 of 2025

Petitioner :- Ab (D)
Respondent :- State of U.P. and Another
Counsel for Petitioner :- Mohd. Samiuzzaman Khan,Zeeshan Khan
Counsel for Respondent :- C.S.C.

Hon'ble Manoj Kumar Gupta,J.
Hon'ble Ram Manohar Narayan Mishra,J.

1. The present petition has been filed on behalf of a minor by her mother as her natural guardian praying for quashing of the order dated 25.07.2025 passed by Additional District and Sessions Judge/Special Judge (POCSO Act), Exclusive Court, Baghpat and for a writ of mandamus commanding respondent no. 2, Chief Medical Officer, District Baghpat to take appropriate measures for termination of the pregnancy of the petitioner.

2. The petitioner is stated to be a victim of rape and in that regard Case Crime No. 227 of 2025 under Sections 137(2), 64(1) Bhartiya Nagarik Suraksha Adhiniyam read with Section 3/4 POCSO Act, P.S. Singhawali Ahir, District Baghpat, is registered against the accused persons. The date of birth of the petitioner, as per educational testimonial, is 01.07.2008 and thus, the petitioner is about 17 years of age. An application was filed on behalf of the petitioner through her mother on 25.07.2025 with the prayer that the petitioner may be permitted to terminate the pregnancy. It seems that learned Judge called for a report from Chief Medical Officer in relation to the prayer made in the application of the petitioner. The Chief Medical Officer submitted a report dated 17.07.2025 in which it was clearly stated that foetus at the relevant time was of 17 weeks + - 3 days. It was also clearly mentioned that since the age of foetus was less than twenty weeks and therefore, the pregnancy could be terminated at the advice of a registered medical practitioner, as per the provisions of the Medical Termination of Pregnancy Act, 1971 (for short the 'MTP Act'). The said report was in consonance with the provisions of MTP Act and the pregnancy could have been easily terminated but the court below without examining the provisions of MTP Act called for a fresh report on ground that the previous

29.08.25

report was not clear. Again, the petitioner was medically examined by a Medical Board on 24.07.2025 and the Chief Medical Officer forwarded the report to the court below on 25.07.2025. The relevant part of the said report is as follows:

> "पीड़िता के अल्ट्रासाउंड की रिपोर्ट अनुसार गर्भ लगभग 18 Wks+5 days का हो गया है। दिनाँक 02/08/2025 को पीड़िता का भूण 20 सप्ताह का हो जायेगा, इससे पूर्व गर्भपात एक स्त्री रोग विशेषज्ञ की परामर्श व माननीय न्यायालय के आदेश अनुसार एवं पीड़िता की सहमति से किया जा सकता है। उक्त अवधि का गर्भपात करने के दौरान अथवा उसके पश्चात पीड़िता के स्वास्थ्य पर कोई भी विपरीत प्रभाव (Complication) पड़ने की सम्भावना से इंकार नहीं किया जा सकता है।"

3. The learned Magistrate, after noticing the aforesaid part of the report of the Medical Board, rejected the application on ground that the Medical Board had opined that in case of premature termination of pregnancy there was likelihood of an adverse effect on the health of the minor.

4. Being aggrieved thereby, the present petition has been filed, and it has come up for hearing before the Court today.

5. The MTP Act is a legislation, which provides for the termination of certain pregnancies by registered medical practitioners and for matters connected therewith or incidental thereto. Section 3 deals with pregnancies, which could be terminated by registered medical practitioners. The relevant part of Section 3 is as follows:

> "(2) Subject to the provisions of sub-section (4), a pregnancy may be terminated by a registered medical practitioner,--
>
> (a) where the length of the pregnancy does not exceed twenty weeks, if such medical practitioner is, or
>
> (b) where the length of the pregnancy exceeds twenty weeks but does not exceed twenty-four weeks in case of such category of woman as may be prescribed by rules made under this Act, if not less than two registered medical practitioners are, of the opinion, formed in good faith, that-
>
> (i) the continuance of the pregnancy would involve a risk to the life of the pregnant woman or of grave injury to her physical or mental health; or
>
> (ii) there is a substantial risk that if the child were born, it would suffer from any

serious physical or mental abnormality.

Explanation 1-For the purposes of clause (a), where any pregnancy occurs as a result of failure of any device or method used by any woman or her partner for the purpose of limiting the number of children or preventing pregnancy, the anguish caused by such pregnancy may be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman.

Explanation 2-For the purposes of clauses (a) and (b), where any pregnancy is alleged by the pregnant woman to have been caused by rape, the anguish caused by the pregnancy shall be presumed to constitute a grave injury to the mental health of the pregnant woman.

(2A) The norms for the registered medical practitioner whose opinion is required for termination of pregnancy at different gestational age shall be such as may be prescribed by rules made under this Act.

(2B) The provisions of sub-section (2) relating to the length of the pregnancy shall not apply to the termination of pregnancy by the medical practitioner where such termination is necessitated by the diagnosis of any of the substantial foetal abnormalities diagnosed by a Medical Board.

(2C) Every State Government or Union territory, as the case may be, shall, by notification in the Official Gazette, constitute a Board to be called a Medical Board for the purposes of this Act to exercise such powers and functions as may be prescribed by rules made under this Act.

(2D) The Medical Board shall consist of the following, namely:-

(a) a Gynaecologist;

(b) a Paediatrician;

(c) a Radiologist or Sonologist; and

(d) such other number of members as may be notified in the Official Gazette by the State Government or Union territory, as the case may be.

(3) In determining whether the continuance of a pregnancy would involve such risk of injury to the health as is mentioned in sub-section (2), account may be taken to the pregnant woman's actual or reasonable foreseeable environment.

(4) (a) No pregnancy of a woman, who has not attained the age of eighteen years, or, who, having attained the age of eighteen years, is a [mentally ill person], shall be terminated except with the consent in writing of her guardian.

(b) Save as otherwise provided in clause (a), no pregnancy shall be terminated

except with the consent of the pregnant woman.

6. Section 4 relates to place where pregnancy could be terminated and it is as follows:

> "**4. Place where pregnancy may be terminated**.-- No termination of pregnancy shall be made in accordance with this Act at any place other than--
>
> (a) a hospital established or maintained by Government, or
>
> (b) a place for the time being approved for the purpose of this Act by Government or a District Level Committee constituted by that Government the Chief Medical Officer or District Health Officer as the Chairperson of the said Committee.
>
> Provided that the District Level Committee shall consist of no than three and not more than five members including the Chairperson the Government may specify from time to time.]"

7. In certain circumstances Section 3 and Section 4 does not apply and the said eventuality has been dealt with under sub-section (1) of Section 5, which is as follows:

> "**5. Sections 3 and 4 when not to apply.**-- (1) The provisions of section 4, and so much of the provisions of sub-section (2) of section 3 as relate to the length of the pregnancy and the opinion of not less than two registered medical practitioners, shall not apply to the termination of a pregnancy by a registered medical practitioner in a case where he is of opinion, formed in good faith, that the termination of such pregnancy is immediately necessary to save the life of the pregnant woman."

8. It is evident from the scheme of the Act that the pregnancy can be terminated by a registered medical practitioner if the length of the pregnancy does not exceed twenty weeks or twenty four weeks subject to opinion of one or two medical practitioners respectively if he/they, is/are of the opinion formed in good faith that;

(i) the continuance of the pregnancy would involve a risk to the life of the pregnant woman or of grave injury to her physical or mental health; or

(ii) there is a substantial risk that if the child were born, if would suffer from any serious physical or mental abnormality.

9. Explanation-- 2 clearly states that where the pregnancy is alleged to be caused by rape, the anguish caused by the pregnancy shall be presumed to constitute a grave injury to the pregnant woman. In the instance case, the specific case of the petitioner is that the pregnancy was result of rape, consequently, Explanation-2 would get attracted. As the pregnancy was of less than twenty weeks so it would be covered by sub-clause (i) of clause (a) of sub-section (2) to Section 3 of the Act. Thus, before expiry of twenty weeks the pregnancy could have been terminated by a registered medical practitioner.

10. We fail to understand as to why the court below in the first instance did not act promptly on basis of report dated 17.07.2025 and permit termination of pregnancy at that stage, when the foetus was less than twenty weeks. Again even when the petitioner was re-examined by the Medical Board on 24.07.2025 the foetus was around eighteen weeks and there was no legal impediment and the opinion of Medical Board was also on record.

11. In these kind of cases each day is valuable and the authority before whom the matter comes up should act promptly, as prolonging the matter poses a greater risk to the life of the woman seeking termination of pregnancy. However, in the present case, we find that the court below has acted in a very insensitive manner, perhaps due to lack of understanding of the scheme of the legislation.

12. As such instances are coming up before this Court time and again, we direct the Chief Secretary, State of U.P., to file his affidavit and apprise the Court of the guidelines, if any, framed by the State Government in this regard, and also suggest ways and means to prevent avoidable delays.

13. We direct the Chief Medical Officer, Baghpat, respondent no. 2 herein to constitute a Medical Board for the present case consisting of the following:

(a) A Gynecologist.

(b) A Pediatrician.

(c) A Radiologist or Sonologist.

(d) A Psychiatrist.

14. The Board shall be constituted by C.M.O., Baghpat in coordination with the

Principal, Lala Lajpat Rai Medical College, Meerut within 24 hours.

15. The Medical Board is directed to examine the petitioner physically as well as psychologically to determine the following aspects:

a. Whether carrying the pregnancy to the full term would impact upon the physical and mental well-being of the petitioner taking into account the actual or reasonable foreseeable environment?

b. Whether the age of the petitioner would impact on the health condition of the petitioner in case of medical termination of pregnancy?

c. Whether the petitioner and her parents are consenting to the said procedure as explained by the Doctors with regard to the medical termination of the pregnancy?

d. Whether the petitioner is desirous of medical termination of pregnancy and has not agreed to the same upon coercive or influence of any other person?

e. Whether there is subsequent risk that if the child was born, it would suffer from any serious physical or mental abnormality?

16. The Medical Board shall also counsel the petitioner (victim) and her parents and advice them of the possibilities of adoption and the secrecy/privacy thereof that would be maintained, in the event the petitioner agrees to carry the child to the full term.

17. The Registrar (Compliance) will communicate the instant order to the Chief Medical Officer, Baghpat during course of the day so that the Medical Board is constituted positively by tomorrow.

18. Learned counsel for the petitioner states that the petitioner will be present alongwith her guardian before CMO, Baghpat for medical examination by the Medical Board on the aspects noted above or any other relevant aspect as deemed fit and necessary.

19. The Medical Board, after carrying out medical examination of the petitioner, shall submit its report within 24 hours, as the pregnancy is already at advanced stage, and any delay would be detrimental to the well-being of the petitioner.

9.08.24

20. Put up on 26.08.2025 at 2 P.M.

21. The District Magistrate, Meerut is directed to be involved in the process so that all medical ancillary expenses of the petitioner and her family are borne by the State, which shall be inclusive of their travel expenses and stay at Meerut.

22. Let a copy of instant order be handed over to Sri Rajiv Gupta, learned Additional Chief Standing Counsel for onward communication and compliance by the District Magistrate, Meerut, Principal, Lala Lajpat Rai Medical College, Meerut and Chief Medical Officer, Baghpat.

(R.M.N. Mishra, J.) (Manoj Kumar Gupta, J.)

Order Date :- 22.8.2025
gp

29.08.25

29.08.25

Digitally signed by :-
UMESH PRAKASH
High Court of Judicature at Allahabad